

'अगले वर्ष तू जल्दी आना' के जयकारों के साथ मां दुर्गा को दी गई भावभीनी विदाई

रांची में दुर्गाोत्सव संपन्न, 176 पूजा पंडालों की प्रतिमाओं का विसर्जन

बिमा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में भक्ति और आस्था के संगम के बीच दुर्गाोत्सव का बुधवार को समापन हो गया। विभिन्न पूजा पंडालों में स्थापित मां दुर्गा और अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाओं का शहर के तालाबों में विसर्जन किया गया। इससे पहले पूजा समितियों की ओर से विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालु मां दुर्गा, मां लक्ष्मी, मां सरस्वती, भगवान गणेश और कार्तिकेय की प्रतिमाओं को वाहनों में लेकर नाचते-गाते बड़ा तालाब, चडरी तालाब, अरगोड़ा तालाब, जगन्नाथ तालाब सहित अन्य जलाशयों तक पहुंचे। दुर्गा पूजा पंडालों में स्थापित मां दुर्गा और अन्य प्रतिमाओं को तालाबों में



विसर्जन को लेकर जिला प्रशासन की ओर से एनडीआरएफ टीम तैनात किए गए थे। प्रतिमा विसर्जन करने वाले लोगों पर प्रशासन की पैनी नजर थी। इसके अलावा नगर निगम की टीम भी तैनात रही। मूर्तियों को तालाब से बाहर निकालने के लिए नगर निगम हमेशा अलर्ट रही।

तालाब को साफ बनाए रखने के लिए सफाई कर्मी भी मौजूद रहे।

यहां भक्तों के जरिये सभी प्रतिमाओं की सामूहिक रूप से प्रार्थना की गई। देवी-देवताओं को आरती उतारी गई। फूल माला पहनाई गई। भजन एवं भक्ति गीत गाए गए। सभी प्रतिमाओं

के जयकारे लगाए गए। इस मौके पर भक्तों ने घर परिवार में खुशहाली बनी रहे इस कामना के साथ मूर्ति विसर्जन किया गया। भक्तों ने मां को पुकारा और फिर आना मां की प्रार्थना की। शाम ढलते-ढलते रांची के सभी पंडाल वीरान और सुनसान हो गए, जो कुछ घंटे पहले तक रंग-बिरंगी

मां दुर्गा की विदाई पर मदिरों में हुआ सिंदूर खेला, महिलाओं ने एक-दूसरे को लगाया सिंदूर

रांची : मां दुर्गा की विदाई के अवसर पर बुधवार को राजधानी के प्रमुख मंदिरों में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ महिलाओं की ओर से सिंदूर खेला का आयोजित हुआ। इस दौरान बंगाली परंपरा के अनुसार, महिलाओं ने मां दुर्गा को सिंदूर अर्पित कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। इस मौके पर पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुन के बीच पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। मेन रोड स्थित दुर्गा बाड़ी में सिंदूर खेला कार्यक्रम में हजारों



महिलाओं ने हिस्सा लिया। यहां महिलाओं ने पहले मां दुर्गा को सिंदूर अर्पित किया और उनका आशीर्वाद लिया। इसके बाद एक-

दूसरे को सिंदूर लगाकर उत्सव की परंपरा निभाई। श्रद्धालुओं में मां के प्रति गहरी आस्था और विदाई का भाव देखने को मिला। महिलाओं ने

मां से सभी श्रद्धालुओं पर कृपा बनाए रखने और अगले वर्ष फिर आगमन की प्रार्थना की। मेन रोड स्थित दुर्गा बाड़ी, हरिमती मंदिर, कांठटोली के अलावा नेताजी क्लब स्थित मंदिर, हिनू दुर्गा पूजा समिति, देशप्रिय क्लब और हिंदपीढ़ी के बैशाखी संघ में सिंदूर खेला का आयोजन किया गया। सभी स्थानों पर बंगाली परंपराओं के अनुसार, महिलाओं ने उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। मां दुर्गा की विदाई के साथ ही श्रद्धालुओं ने अगले वर्ष फिर से मां के आगमन की कामना की।

संक्षिप्त खबरें

पीयूष गोयल आज से जर्मनी व नीदरलैंड के दौरे पर



नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 22 से 27 अक्टूबर तक जर्मनी एवं नीदरलैंड के आधिकारिक दौरे पर रहेंगे। इस दौरान दोनों देशों के साथ व्यापार, निवेश और औद्योगिक एवं तकनीकी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा होगी। उनके साथ करीब 100 भारतीय कंपनियों और स्टार्टअप का प्रतिनिधिमंडल भी जाएगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार गोयल 22 से 24 अक्टूबर तक जर्मनी और 24 से 27 अक्टूबर तक नीदरलैंड में रहेंगे। जर्मनी में वह बर्लिन ग्लोबल डायलॉग में हिस्सा लेंगे और वहां अंतरराष्ट्रीय नीति निमातों तथा प्रमुख कारोबारी प्रतिनिधियों से बातचीत करेंगे। इस दौरान जर्मनी के आर्थिक मामलों एवं ऊर्जा मंत्री और जर्मन चांसलर के आर्थिक एवं वित्तीय नीति सलाहकार तथा जी-7 और जी-20 शेरपा के साथ भी बैठकें प्रस्तावित हैं।

दिसंबर 2029 तक देश को नशे की समस्या से मुक्त करने का लक्ष्य: शाह

एजेंसी
नई दिल्ली : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि आने वाली पीढ़ियों को नशे की समस्या से मुक्त करने तथा देश विरोधी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार ने 31 दिसंबर 2029 तक देश को नशे की समस्या से मुक्त करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि इसके लिए वर्ष 2026 के शेष समय और 2027, 2028 तथा 2029 में पुलिस बलों को मिलकर नशे के खिलाफ लड़ाई लड़नी होगी। श्री शाह ने बुधवार को यहां पुलिस स्मृति दिवस पर राष्ट्रीय पुलिस स्मारक में शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि देने के बाद यह बात कही। इस मौके पर उन्होंने नशे के खिलाफ जागरूकता पैदा करने के लिए देशव्यापी मोटरसाइकिल रैली को भी रवाना किया। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या आने वाली पीढ़ियों को कमजोर करती है, अर्थव्यवस्था पर बोझ डालती है और देश विरोधी गतिविधियों में लगे संगठनों को आर्थिक मदद भी पहुंचाती है। उन्होंने देशभर के पुलिस बलों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तैयार 'नशा मुक्त भारत' की योजना को जमीन पर उतारने और आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित करने का आह्वान किया।



गृह मंत्री ने कहा कि वर्ष 2026 भारतीय पुलिस के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि 31 मार्च 2026 को देश को दशकों पुरानी नक्सल समस्या से मुक्ति मिली। वर्ष 1981 से मार्च 2026 के बीच नक्सलवाद के कारण 3,600 से अधिक जवान शहीद हुए और करीब 13,700 निर्दोष नागरिकों की जान गई। उन्होंने कहा कि देश आज विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है, तो इसकी नींव में शहीद जवानों का बलिदान है। उन्होंने कहा कि कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अब शांति और विकास का माहौल बना है। कश्मीर में आतंकवाद पर काबू पाने में काफी सफलता मिली है, जबकि

समझौतों के बाद पूर्वोत्तर में भी शांति का रास्ता खुला है। नक्सलवाद को समाप्त करने में पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की भूमिका की सराहना करते हुए उन्होंने खास तौर पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), कोबरा बटालियन और छत्तीसगढ़ पुलिस की बहादुरी का उल्लेख किया। श्री शाह ने कहा कि पुलिसकर्मियों के बलिदान और कर्तव्य के प्रति समर्पण को याद करते हुए कहा कि पुलिस की सेवा सबसे कठिन सेवाओं में से एक है। जब लोग रक्षाबंधन, होली, दीपावली और ईद जैसे त्योहार परिवार के साथ मनाते हैं, तब पुलिसकर्मी आंतरिक सुरक्षा,

यातायात और लोगों की सुरक्षा में जुटे रहते हैं। उन्होंने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा में पुलिस की भूमिका सबसे अहम है। पुलिस स्मृति दिवस के इतिहास का जिक्र करते हुए गृह मंत्री ने बताया कि 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के हार्ट स्प्रिंग्स क्षेत्र में चीन की सेना के हमले का मुकाबला करते हुए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 10 जवान शहीद हुए थे। उन्हीं के बलिदान की याद में हर साल 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय पुलिस स्मारक का उद्घाटन किया था, ताकि पुलिस की आने वाली पीढ़ियां शहीदों से प्रेरणा लें। इस स्मारक पर कर्तव्य की वेदी पर प्राणों की बाजी लगाने वाले पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी जाती है। नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने वाली मोटरसाइकिल रैली में राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और केंद्रीय पुलिस संगठनों के करीब 90 सवार शामिल हैं। 'नशे के खिलाफ लड़ाई' के संदेश के साथ निकाली जा रही यह रैली देशव्यापी अभियान का हिस्सा है। इसमें शामिल सवार गुजरात के एकता नगर पहुंचकर एकता परेड-2026 में भाग लेंगे।

बदरीनाथ धाम के कपाट 16 नवंबर को रात 9:37 बजे बंद होंगे

गोपेश्वर। विश्व प्रसिद्ध बदरीनाथ धाम के कपाट 16 नवंबर को रात 9 बजकर 37 मिनट पर शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। विजयदशमी के अवसर पर मंगलवार को मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना और पंचांग गणना के बाद कपाट बंद होने की तिथि घोषित की गई। इसके साथ ही 12 नवंबर से कपाट बंद करने की धार्मिक प्रक्रिया पंच पूजाएं शुरू हो जाएंगी। बदरीनाथ धाम के रावल अमरनाथ नंबूदरी ने विधि-विधान से कपाट बंद होने की तिथि की घोषणा की। इससे पहले धर्माधिकारी आचार्य स्वयंवर सेमवाल और वेदपाठियों ने पूजा-अर्चना के साथ पंचांग गणना की।

पाकिस्तान की गुरुधाम यात्रा पर 22 नवंबर को जाएगा भारतीय श्रद्धालुओं का जत्था

एजेंसी
चंडीगढ़। प्रथम पातशाह श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व पाकिस्तान स्थित उनके जन्मस्थान गुरुद्वारा श्री ननकाना साहिब में मनाने के लिए भारत से सिख श्रद्धालुओं का जत्था 22 नवंबर को रवाना होगा। 10 दिवसीय धार्मिक यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के पासपोर्ट बुधवार को दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में जमा करवाए गए। जत्थे में पंजाब समेत भारत के अलग-अलग राज्यों से सिख श्रद्धालु शामिल होंगे। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से पंजाब के सिख

श्रद्धालुओं के 1,828 पासपोर्ट जमा करवाए गए हैं। इसके अलावा दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से 557, उत्तराखंड की सिख संगतों के 254 और उत्तर प्रदेश के श्रद्धालुओं के 150 पासपोर्ट जमा करवाए गए हैं। झारखंड से 12 और गुजरात से दो श्रद्धालुओं के पासपोर्ट जमा करवाए गए हैं। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी और विभिन्न राज्यों की सिख संगतों की ओर से श्रद्धालुओं के पासपोर्ट जमा करवाए गए हैं। अब श्रद्धालुओं को पाकिस्तान जाने के

लिए वीजा जारी होने का इंतजार रहेगा। वीजा मिलने के बाद जत्था निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 22 नवंबर को सप्त दिवसीय धार्मिक यात्रा के लिए रवाना होगा। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर गुरुद्वारा श्री ननकाना साहिब में माथा टेकना और धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होना है। इस मौके पर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से श्री दरबार साहिब के मैनेजर राजेंद्र सिंह रूबी मौजूद रहे। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से परमजीत सिंह चडोक और रणधीर सिंह भी उपस्थित थे।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीमा शुल्क सहयोग बढ़ाने के लिए समझौता

एजेंसी
नई दिल्ली: भारत और न्यूजीलैंड ने द्विपक्षीय व्यापार को सुगम बनाने और सीमा शुल्क संबंधी सहयोग मजबूत करने के लिए दोनों देशों के बीच होने वाले व्यापार में उत्पत्ति संबंधी आंकड़ों (डेटा ऑफ ओरिजिन) के इलेक्ट्रॉनिक आदान-प्रदान पर समझौता किया है। इस व्यवस्था के तहत दोनों देश व्यापारिक वस्तुओं के मूल देश से संबंधित आंकड़ों का इलेक्ट्रॉनिक आदान-प्रदान करेंगे। इससे सीमा पार व्यापार की प्रक्रियाओं को अधिक कुशल, सुरक्षित और पारदर्शी बनाने में मदद मिलेगी। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने बताया कि केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) और

न्यूजीलैंड सीमा शुल्क सेवा (एनजेसीएस) के बीच समझौता 19 अक्टूबर को हुआ। इस पर सीबीआईसी के अध्यक्ष विवेक चतुर्वेदी और न्यूजीलैंड सीमा शुल्क सेवा की निर्यात एवं मुख्य कार्यकारी क्रिस्टीन स्टीवेन्सन ने हस्ताक्षर किए। यह समझौता भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत किया गया है। दोनों देशों के बीच एफटीए 20 अक्टूबर से लागू हो गया है। इस समझौते का उद्देश्य सीमा शुल्क से जुड़ी सुचनाओं के आदान-प्रदान को बेहतर बनाना और व्यापार को सुविधाजनक बनाने के उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करना है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने प्रदान किए ललित कला अकादमी पुरस्कार, बोलीं- युवा कलाकारों को प्रतिभा निखारने के पर्याप्त अवसर मिलें

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को ललित कला अकादमी पुरस्कार वितरण के दौरान कहा कि युवा और उभरते कलाकारों को अपनी प्रतिभा विकसित करने, कला के नए माध्यम तलाशने और अपनी रचनात्मक क्षमता का विस्तार करने के पर्याप्त अवसर दिए जाने चाहिए। कला को केवल कला दीघाओं तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि इसे स्कूलों, विश्वविद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों और समाज के व्यापक वर्गों तक पहुंचाना चाहिए।



राष्ट्रपति ने यहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को 65वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के चयनित कलाकारों को ललित कला अकादमी पुरस्कार

प्रदान किए। उन्होंने तीसरे प्रिंट बिएनएल इंडिया-2026 के ग्रैंड प्राइज विजेताओं और सम्माननीय उल्लेख पाने वाले कलाकारों को भी

सम्मानित किया। कार्यक्रम में केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि पुरस्कार वितरण समारोह भारत की कलात्मक विरासत, सांस्कृतिक विविधता और समकालीन रचनात्मकता का उत्सव है। इसके माध्यम से देश की विविध कलाओं की समृद्ध परंपरा, रचनात्मक ऊर्जा और लगातार विकासित हो रही कलात्मक अभिव्यक्तियों का उत्सव मनाया जा रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि कला केवल

केनवास पर बनाई गई पेंटिंग, पत्थर पर उकेरी गई मूर्तियों या अन्य माध्यमों से तैयार कृतियों तक सीमित नहीं है। कला हमारी संस्कृति का प्रतिबिंब है। इसमें अतीत की स्मृतियां, वर्तमान के अनुभव और भविष्य की आकांक्षाएं झलकती हैं। कला हमें अपने समय और समाज को नए दृष्टिकोण से देखने और समझने में मदद करती है। उन्होंने कहा कि दूरदर्शन के क्षेत्रों में पारंपरिक कलाकारों को नई तकनीकों और समकालीन कला पद्धतियों का प्रशिक्षण दिया जाना

चाहिए। इससे वे अपनी प्रतिभा को व्यापक मंच पर प्रदर्शित कर सकेंगे और विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग ले सकेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि आज के दौर में कलाकारों की रचनात्मक अवसरों के साथ वित्तीय सहायता, व्यापक बाजार तक पहुंच और कला संग्रहकताओं से जुड़ने के अवसरों की भी जरूरत है। उन्होंने ललित कला अकादमी और संस्कृति मंत्रालय की ओर से कलाकृतियों की बिक्री को प्रोत्साहित करने के प्रयासों पर प्रसन्नता जताई।

बेड़ो में पहली बार रावण के साथ जले कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतले

विजयादशमी पर उमड़ा जनसैलाब, जय श्रीराम के नारों से गुंजा मैदान

बिभा संवाददाता

बेड़ो: श्री श्री दुर्गा पूजा महासमिति, बेड़ो के तत्वावधान में इस वर्ष विजयादशमी का पर्व ऐतिहासिक बन गया। बेड़ो के मुख्य मैदान में पहली बार रावण के साथ कुंभकर्ण और मेघनाद के विशालकाय पुतलों का दहन किया गया। इस भव्य आयोजन को देखने के लिए बेड़ो सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे।

संक्षिप्त खबरें

करांजी में फंदे से लटका मिला 24 वर्षीय तैयबा निगार का शव
बेड़ो(बिभा)।थाना क्षेत्र अंतर्गत कर्रांजी जराटोली गाँव में मंगलवार शाम करीब 7:30 बजे 24 वर्षीय तैयबा निगार की मौत हो गई। मृतका के पति का नाम शहनवाज अंसारी है। तैयबा निगार का मायका गुमला जिले के सिसई थाना के सिसई गाँव की थी। जानकारी के अनुसार, तैयबा निगार अपने कमरे में दुपेट्रे के सहारे फंदे से लटक की मिली। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। परिजन और ग्रामीण उन्हें आनन-फानन में बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां चिकित्सक डॉ. सुनील कुमार ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर बेड़ो थाना प्रभारी मो. कफिल अहमद, एसआई उत्तम कुमार और एसआई आशीष रंजन पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आवश्यक जांच प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए रांची रिम्स भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हजाम गांव में दुर्गा पूजा मुड़ा मेला का आयोजन, कांग्रेस अध्यक्ष विकास रजक रहे मुख्य अतिथि

सिल्ली(बिभा): सिल्ली प्रखंड के हजाम गांव में दुर्गा पूजा के अवसर पर पारंपरिक मुड़ा मेला का आयोजन किया गया। मेला का आयोजन गांव के राजा पूर्व मुखिया विवेक सिंह मुंडा के नेतृत्व में किया गया। मेले में दूर-दराज से ग्रामीणों की भीड़ उमड़ी। इस दौरान पारंपरिक लोकनृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने लोगों का मन मोह लिया। ग्रामीणों ने मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस अध्यक्ष विकास रजक उपस्थित रहे। उनके साथ राजेश हजाम, कल्याण दास, परदेशी कोइरी, रेघु कोइरी समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे। अतिथियों ने कहा कि इस तरह के मेले हमारी संस्कृति और आपसी भाईचारे को मजबूत करते हैं। अंत में आयोजकों ने सभी ग्रामीणों और अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

राज्य में कानून-व्यवस्था बेपटरी, अपराधियों के हौसले बुलंद: माजपा

रांची(बिभा): भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता केके गुप्ता ने झारखंड की कानून-व्यवस्था को लेकर हेमंत सोरेन सरकार पर निशाना साधा है। कहा कि झारखंड में लगातार बढ़ रहे अपराध के आंकड़ों और कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर राज्य सरकार पर कड़े सवाल खड़े किए गए हैं। आरोप है कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बेखोफ अपराधी गंभीर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं, जिससे आम जनता और व्यापारियों के बीच भय का माहौल बन रहा है। हाल ही में खुंटी में फादर बेनेडिक्ट बारला पर जानलेवा हमला, चक्रधरपुर स्टेशन पर ट्रेन के टॉयलेट से शव की बरामदगी और जमशेदपुर में हुई गोलीबारी जैसी घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा गया कि अपराधियों में प्रशासन का डर समाप्त हो चुका है। शहरी इलाकों में छिनटाई, लूट, नशा कारोबार और रंगदारी तो वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि विवाद व डकैती के मामलों में तेजी आई है। आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया गया कि वर्ष 2020 से 2026 के बीच राज्य में हत्या के 9,213, दुष्कर्म के 10,113, अपहरण के 11,000 और चोरी के 60,000 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। विपक्ष ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार की तुलना में मौजूदा हेमंत सरकार के कार्यकाल में संगठित अपराध और अवैध खनन से जुड़े माफियाओं पर प्रशासनिक नियंत्रण ढीला पड़ा है, जिससे राज्य की स्थिति चिंताजनक होती जा रही है।

झारखंड के उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने पर चेंबर और विदेश मंत्रालय में चर्चा

रांची(बिभा)। फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज और विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी अनीमेश चौधरी के बीच बुधवार को चेंबर भवन रांची में अहम बैठक हुई। बैठक में झारखंड के उद्योग, खनिज, कृषि आधारित उत्पादों और विनिर्माण क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने और आयात-निर्यात को बढ़ावा देने की बात पर व्यापक विचार विमर्श किया गया। बैठक में निर्यात की व्यावहारिक चुनौतियों, व्यापारिक सुविधाओं के विस्तार और वैश्विक बाजारों तक राज्य के उत्पादों की पहुंच बढ़ाने पर चर्चा हुई। चेंबर के महासचिव रोहित अग्रवाल और प्रवक्ता विनीता सिंघानिया ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि विदेश मंत्रालय में डायरेक्टर (ओशिनिया) और 2011 बैच के आईएफएस अधिकारी अनीमेश चौधरी के समक्ष चेंबर पदाधिकारियों ने निर्यात प्रक्रिया को सरल बनाने, व्यापारिक बाधाएं दूर करने और स्थानीय उद्यमियों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार से जोड़ने के सुझाव रखे गए। चौधरी ने इन मुद्दों पर अपने विचार साझा करते हुए भविष्य में चेंबर के साथ समन्वय बनाए रखने और निर्यात प्रोत्साहन के लिए सहयोग की संभावनाएं तलाशने का आश्वासन दिया।

उठा। आतिशबाजी के बीच पुतलों को जलते देखने के लिए बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों में खासा उत्साह रहा। आयोजन के माध्यम से असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा। डीएसपी दीपक कुमार और बेड़ो थाना प्रभारी मो. कफिल अहमद सहित अन्य पुलिस पदाधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी की। अधिकारियों ने क्षेत्रवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए शांति, सद्भाव और भाईचारे का संदेश दिया।

नाबालिग से दुष्कर्म के बाद हत्या, आरोपित गिरफ्तार

बिभा संवाददाता
सिल्ली: मुरी ओ पी थाना क्षेत्र अंतर्गत 18 अक्टूबर को लगभग 17 वर्षीय नाबालिक किशोरी के साथ दुष्कर्म कर हत्या का मामला प्रकाश में आया।मामला की जानकारी मिलते ही मुरी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दुष्कर्म एवं हत्या के आरोपी मारदू गांव निवासी भागवत महतो उर्फ भगवान दास महतो (23), पिता लालमोहन महतो को गिरफ्तार कर जेल भेजा।प्राप्त जानकारी के अनुसार 18 अक्टूबर को किशोरी दोपहर 2 बजे घर से यह कहकर निकली थी कि 5 मिनट में घर वापस आ जाऊंगी परंतु शाम होने तक किशोरी घर वापस नहीं आई।तत्पश्चात किशोरी के पिता द्वारा काफी खोजबीन किया गया परंतु कुछ पता नहीं चला।अंततः थक हारकर किशोरी के पिता द्वारा मामले की जानकारी मुरी ओ पी

भारतमाला सड़क परियोजना के विरोध में प्रखंड कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन कल

बेड़ो: कर्रा-खूंटी-बेड़ो-लोहरदगा भारतमाला सड़क परियोजना के विरोध में मंगलवार, 20 अक्टूबर 2026 को बुधराम लोहरा की अध्यक्षता में ग्रामसभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मौजा हरिहरपुर, जामटोली, हुटार, हरहंजी, बैरटोली और खाकसीटोली के जमीन रैयतों एवं ग्रामीणों ने भाग लिया। इस दौरान सड़क निर्माण परियोजना को लेकर विरोध जताया गया और आंदोलन की आगे की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। ग्रामसभा में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी शुक्रवार, 23 अक्टूबर 2026 को सुबह 11 बजे बेड़ो प्रखंड कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। धरना-प्रदर्शन में



पुलिस को दी गई।पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतका के पिता के फर्दब्यान के आधार पर अज्ञात के विरुद्ध सिल्ली थाना में कांड संख्या 66/2026 दर्ज करते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक रांची के निर्देशानुसार सिल्ली डीएसपी मनीष चंद्रलाल के नेतृत्व में एक एसआईटी टीम का गठन कर



शामिल होने के लिए पूर्व मंत्री बंधु तिकी को आमंत्रित करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में ग्रामीणों से अपील की गई कि वे अपने हक और अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर अधिक से अधिक संख्या में धरना-प्रदर्शन में शामिल हों। ग्रामीणों ने भारतमाला सड़क परियोजना को लेकर अपनी चिंताएं व्यक्त कीं और सामूहिक

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने के लिए एनकास प्रशिक्षण शुरू, दिसंबर 2026 तक शत-प्रतिशत प्रमाणन का लक्ष्य



जोर दिया गया है। सभी जिलों को निर्देश दिया गया है कि वे स्वास्थ्य केंद्रों की कमियों की पहचान कर समयबद्ध सुधारात्मक कदम उठाएं और प्रमाणन की प्रक्रिया में तेजी लाएं। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को राष्ट्रीय मानकों के प्रभावी क्रियान्वयन, आंतरिक मूल्यांकन, सेवा प्रदायगी में सुधार, रोगी

भाजपा नेता कामेश्वर पांडे का निधन, टंडवा में शोक की लहर

चतरा। भाजपा के वरिष्ठ नेता और झारखंड अलग राज्य निर्माण आंदोलन के आंदोलनकारी कामेश्वर पांडे के आकस्मिक निधन से टंडवा प्रखंड में शोक की लहर है। उनके निधन पर सांसद कालीचरण सिंह, विधायक उज्ज्वल दास और पूर्व विधायक किशुन दास सहित कई जनप्रतिनिधियों, राजनीतिक नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। सभी ने उनके निधन को क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति बताया। राहम गांव निवासी कामेश्वर पांडे मंगलवार शाम गांव में आयोजित दुर्गा पूजा समारोह से घर लौटने के बाद सोने चले गए थे।कुछ देर बाद परिजनों ने उन्हें कमरे में अचेत अवस्था में पाया। इसके बाद परिजन उन्हें इलाज के लिए हजारीबाग ले गए। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार उनकी मौत का कारण हार्ट अटैक बताया जा रहा है।

गया पुलिस द्वारा पूछताछ करने के क्रम में आरोपी ने बताया कि उसने ही किशोरी को फोन कर बुलाया था एवं उसके साथ आए किशोरी के छोटे भाई को पत्थर से मार कर घायल किया एवं किशोरी के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाने एवं हत्या की बात को स्वीकार किया।

आरोपी के निशानदेही पर पुलिस ने घटनास्थल से मृतका का मोबाइल एवं एक जोड़ी चप्पल तथा कपड़ा भी बरामद किया।छापेमारी दल में सिल्ली डीएसपी मनीष चंद्रलाल,मुरी ओपी प्रभारी विकास कुमार पासवान,सिल्ली थाना प्रभारी नवीन कुमार,अवर निरीक्षक मणि भूषण पासवान,रामदेव कुमार यादव,सहायक अवर निरीक्षक बालेंद्र कुमार (तकनीकी शाखा),मुख्य आरक्षी चेतन सिंह मुंडा,संजीत कुमार राय,आरक्षी सुरेंद्र कुमार वर्मा एवं दीपक कुमार समेत अन्य सशस्त्र बल शामिल रहे।

अंजुमन इस्लामिया करांजी के चुनाव में शोएब अख्तर बने सदर

बेड़ो: प्रखंड के कर्रांजी गाँव में अंजुमन इस्लामिया कर्रांजी कमेटी का चुनाव उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। चुनाव में ग्रामीणों ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया। लगभग 300 मतदाताओं में से 283 लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कुल मतदाताओं की संख्या 300 मानने पर मतदान प्रतिशत 94.33 रहा। मतदान के बाद हुई मतगणना में विभिन्न पदों के परिणाम घोषित किए गए। सदर पद के लिए चार प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। मतगणना में पूर्व सदर शोएब अख्तर को सर्वाधिक 132 वोट मिले। वहीं, मो. जुलकरनैन अंसारी की 86, अब्दुल हफिज अंसारी को 46 और फिरोज आलम को 17 वोट प्राप्त हुए। परिणाम घोषित होने के बाद शोएब अख्तर को सदर पद पर निर्वाचित घोषित किया गया। सेक्रेटरी पद के लिए पूर्व सेक्रेटरी

सिंदूर खेला के साथ मां दुर्गा को नम आंखों से दी विदाई

बिभा संवाददाता
सिल्ली: सिल्ली, मुरी एवं आसपास के क्षेत्रों में विजयादशमी के अवसर पर महिलाओं ने सिंदूर खेला की पारंपरिक रस्म निभाते हुए नम आंखों के साथ मां दुर्गा को विदाई दी। इस दौरान महिलाओं ने मां दुर्गा से अखंड सौभाग्य, सुख, शांति और समृद्धि का वरदान मांगा। महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर अपने सुहाग की लंबी उम्र और परिवार की खुशहाली की कामना की। महिलाओं ने भावुक होते हुए मां से निवेदन किया कि आप अगले साल ऐसे ही फिर आएँ और सभी के जीवन में खुशहाली लाएँ।सिंदूर खेला के पश्चात महिलाओं ने बताया कि यह परंपरा बंगाल की संस्कृति से जुड़ी है, जिसमें विवाहित महिलाएं एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर मां दुर्गा से अपने सुहाग की सलामती की प्रार्थना करती हैं। यह रस्म नारी शक्ति, अखंड सौभाग्य और आपसी प्रेम का प्रतीक है।संध्या के समय मां दुर्गा की प्रतिमाओं का निकटतम जलाशयों में विसर्जन किया गया। विसर्जन के दौरान मां दुर्गा के जयकांठों और ढाक की थाप से पूरा क्षेत्र गूँज उठा। शंखध्वनि के बीच प्रतिमाओं को विसर्जन स्थल तक ले जाया गया। विसर्जन यात्रा में काफी संख्या में

विधायक विकास कुमार मुंडा ने रावण के पुतले का दहन कर बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया

बिभा संवाददाता
बुंछू: दशहरा के अवसर पर बुधवार को बुंछू के ताऊ मैदान में भव्य रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक विकास कुमार मुंडा शामिल हुए। उन्होंने रावण के पुतले का दहन कर बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया। साथ ही क्षेत्रवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं। रावण के पुतले में आग लगते ही



तौहीद अंसारी और साहबान अंसारी के बीच मुकाबला हुआ। इसमें तौहीद अंसारी को 171 वोट मिले, जबकि साहबान अंसारी को 102 वोट प्राप्त हुए। इस प्रकार तौहीद अंसारी ने सेक्रेटरी पद पर जीत हासिल की। नायब सदर पद पर नौशाद आलम को 149 वोट मिले और उन्हें निर्वाचित घोषित किया गया। वहीं, नायब सेक्रेटरी पद के लिए मुस्ताक अंसारी और रब्बानी अंसारी के बीच मुकाबला हुआ। इसमें रब्बानी अंसारी को 180 वोट मिले, जबकि मुस्ताक अंसारी को 94 वोट प्राप्त हुए। इस तरह रब्बानी अंसारी नायब सेक्रेटरी निर्वाचित हुए।

युवा कांग्रेस के नवनिर्वाचित गुमला जिला प्रभारी आरिफ रजा सम्मानित



इटकी : इटकी जमीयतुल मोमिनीन एवं इस्लाहुल इराकिन इटकी अंजुमन की ओर से युवा कांग्रेस के नवनिर्वाचित गुमला जिला प्रभारी आरिफ रजा को सम्मानित किया गया। इस दौरान अंजुमन के सदस्यों ने माला पहनाकर और बुके भेंट कर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभारंभकबाद दी। पदाधिकारियों ने कहा कि आरिफ रजा को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलना समुदाय के लिए गर्व की बात है। उन्होंने उम्मीद जताई कि वे युवाओं की आवाज बुलंद करने और संगठन को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। मौके पर जमीयतुल मोमिनीन के सदर अमीन साहब, सेक्रेटरी कलाम साहब, नायब सदर आरिफ साहब, नायब सेक्रेटरी इमरान साहब तथा इस्लाहुल इराकिन के



महिलाएं, बच्चे एवं युवा शामिल रहे। वहीं वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुसार आदि दुर्गा मंदिर की प्रतिमा को ग्रामीणों द्वारा कंधे पर उठाकर साहब बांध में विसर्जन किया गया। यह दृश्य श्रद्धा और परंपरा का अद्भुत संगम था, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़े। इसी क्रम में राधिका दुर्गोत्सव समिति की ओर से रावण दहन का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया गया। इधर विसर्जन को देखते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त किया गया था। जगह-जगह पुलिस बल तैनात रहे ताकि विसर्जन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके।

पूरा मैदान जय श्रीराम के जयघोष से गूँज उठा। इस दौरान आसर्षक आतिशबाजी के बीच रावण दहन का नजारा देखने के लिए सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण व श्रद्धालु ताऊ मैदान पहुंचे थे। लोगों में कार्यक्रम को लेकर खासा उत्साह देखा गया। रावण दहन कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये थे। मौके पर बुंछू डीएसपी ओमप्रकाश, थाना प्रभारी जयदीप टोप्पो पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।

खुजांची पद पर तनवीर आलम को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। इस पद के लिए मतदान की आवश्यकता नहीं पड़ी। चुनाव संपन्न होने के बाद नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने 11 अन्य साथियों के नाम मेंबर पद के लिए दर्ज कराए। इसके माध्यम से उन्हें भी अंजुमन की कमेटी से जोड़ने की पहल की गई। चुनाव में ग्रामीणों की भागीदारी को अंजुमन के प्रति उनकी रूचि और जागरूकता के रूप में देखा जा रहा है। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों से उम्मीद की जा रही है कि वे आपसी एकता, सहयोग और सामुदायिक कल्याण को प्राथमिकता देते हुए कमेटी की जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे।

सदर हाजी अकील साहब, सेक्रेटरी हाजी मोइनुद्दीन साहब और नायब सेक्रेटरी केप्टन साहब मौजूद रहे। इसके अलावा जन आंदोलन मंच झारखंड के अध्यक्ष मुर्तजा आलम, पणू हाशमी, हाजी नसीम साहब, रिजवान साहब, लाला खान साहब, रेहान साहब सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। सम्मान के लिए आभार जताते हुए आरिफ रजा ने कहा कि जमीयतुल मोमिनीन एवं इस्लाहुल इराकिन इटकी अंजुमन के सदस्यों का प्यार, सहयोग और दुआएं उनके लिए अनमोल हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि नई जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाएंगे तथा गुमला जिले में संपठन को मजबूत करने और अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे।

पुलिस संस्मरण दिवस पर झारखंड के तीन शहीद जवानों को श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

रांची। रांची के डोरंडा स्थित झारखंड सशस्त्र पुलिस-1 (जैप-1) परिसर में बुधवार को पुलिस संस्मरण दिवस परेड का आयोजन किया गया। इस दौरान इस साल देशभर के विभिन्न राज्यों की पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों के 154 शहीद अधिकारियों एवं जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इनमें झारखंड के तीन जवान भी शामिल हैं, जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए अपनी जान गंवाई।

एक सितंबर 2025 से 31 अगस्त 2026 के बीच कर्तव्य के दौरान शहीद हुए झारखंड के तीन पुलिसकर्मियों में पुलिस अवर निरीक्षक हेमंत भगत, आरक्षी सुनील राम और आरक्षी संतोष कुमार मेहता शामिल हैं। हेमंत भगत दुमका जिले में तैनात थे, जबकि सुनील राम और संतोष कुमार मेहता पलामू जिले से जुड़े थे।



चार सितंबर 2025 को पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र के केदल गांव में छापेमारी के दौरान पुलिस और टीएसपीसी नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस दौरान आरक्षी सुनील राम और आरक्षी संतोष कुमार मेहता शहीद हो गए थे। दोनों जवानों ने अभियान के दौरान कर्तव्य निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। वहीं, 31 दिसंबर 2025 को दुमका

जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना के दौरान बाधित सड़क को खाली कराने के क्रम में पुलिस अवर निरीक्षक हेमंत भगत शहीद हो गए थे। कर्तव्य के दौरान उनका बलिदान पुलिसकर्मियों की जिम्मेदारी और सेवा भावना को दर्शाता है। पुलिस संस्मरण दिवस पर इन सभी वीर जवानों को याद करते हुए उनके



बलिदान के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। समारोह में झारखंड के डीजीपी सहित पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने शहीद स्मारक पर श्रद्धासुमन अर्पित कर वीर जवानों के बलिदान को नमन किया। इस अवसर पर शहीदों के परिवारों के साथ खड़े रहने और हर संभव सहयोग देने का संकल्प भी दोहराया

गया।

झारखंड जगुआर मुख्यालय में भी मना पुलिस संस्मरण दिवस

वहीं झारखंड जगुआर (एसटीएफ) के टेंडरग्राम स्थित मुख्यालय में भी बुधवार को पुलिस संस्मरण दिवस मनाया गया। इस दौरान आईजी अनूप बिरथरे और डीआईजी इन्द्रजीत महथा ने शहीद स्मारक पर

पुष्पचक्र अर्पित कर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। समारोह में शहीद पुलिसकर्मियों के नामों का पाठ किया गया। जवानों ने शस्त्र झुकाकर सम्मान दिया और दो मिनट का मौन रखकर शहीदों के बलिदान को नमन किया। आईजी ने कहा कि देश और राज्य की सुरक्षा में पुलिसकर्मियों का सर्वोच्च बलिदान हमेशा प्रेरणा देता रहेगा।

शहीद संस्मरण दिवस पर रांची पुलिस लाइन में बलिदान जवानों को दी गई श्रद्धांजलि



बिभा संवाददाता

रांची। शहीद संस्मरण दिवस के अवसर पर बुधवार को रांची स्थित नवीन पुलिस केंद्र के शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों ने कर्तव्य निर्वहन के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीद पुलिसकर्मियों को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। साथ ही उनके अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान को याद किया। कार्यक्रम के दौरान शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों को सम्मानित किया गया। इस दौरान



उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली गई और शहीद परिवारों के प्रति संवेदनशीलता जताते हुए उन्हें हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर सिटी एसपी पारस राणा, ग्रामीण एसपी गौरव गोस्वामी, ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी, कर्मी और शहीद पुलिसकर्मियों के परिजन उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

दुर्गा पूजा में युवा दस्ता ने 93 बिछड़े बच्चों व परिजनों को मिलाया

रांची(बिभा): दुर्गा पूजा महोत्सव 2026 के दौरान सामाजिक संगठन 'युवा दस्ता' ने सेवा और समर्पण का अनूठा उदाहरण पेश किया। संगठन के संस्थापक राजीव रंजन मिश्रा ने बताया कि कार्यकर्ताओं ने लगातार चार दिनों तक विभिन्न पूजा पंडालों और प्रमुख मार्गों पर मुसैद रहकर श्रद्धालुओं की सहायता की। इस दौरान सैकड़ों महिलाओं व बुजुर्गों को सुगमता से दर्शन कराए गए और भीड़ में बिछड़े 93 बच्चों एवं परिजनों को सुरक्षित पर पहुंचाया गया। विर्सजन शोभायात्रा के दौरान युवा दस्ता ने स्वागत शिविर का आयोजन किया, जिसमें शामिल पूजा समितियों का माला व चुनरी ओढ़ाकर सम्मान किया गया। इस मौके पर वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. यदुनाथ पांडेय, अजीत सहाय, रवि कुमार पिंकू, गोपाल पारीक और लक्ष्मि सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। राजीव रंजन मिश्रा ने बताया कि संगठन ने जिला प्रशासन के साथ मिलकर ह्याआंख और कानहू की भूमिका निभाई। उन्होंने सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन, नगर निगम, महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता 'छोट्ट', ग्रामीण अध्यक्ष मदन साहू और सभी सक्रिय कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।



नियम तोड़ने वाले कोचिंग संस्थान होंगे सील : नगर आयुक्त

रांची(बिभा)। रांची नगर निगम ने भवन निर्माण नियमों, पार्किंग और अग्नि सुरक्षा मानकों का उल्लंघन कर संचालित कोचिंग संस्थानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी की है। नगर आयुक्त सुशांत गौरव की अध्यक्षता में बुधवार को आयोजित बैठक में यह बातें कही गईं। नगर आयुक्त ने कहा कि कई संस्थानों के पास स्वीकृत भवन नक्शा नहीं है, जबकि कुछ भवन आवासीय उपयोग के लिए स्वीकृत होने के बावजूद उनमें व्यावसायिक गतिविधियों के तहत कोचिंग संचालित की जा रही है। ऐसे में नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों को सील किया जाएगा। बैठक के दौरान पूर्व में जारी नोटिस के संबंध में कोचिंग संचालकों ने अपना पक्ष रखा। जांच के दौरान कई संस्थानों में पर्याप्त पार्किंग, आपातकालीन निकासी मार्ग और अग्नि सुरक्षा संबंधी फायर एनओसी की कमी सामने आई। नगर आयुक्त ने कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। बैठक में कुछ संचालकों ने संस्थान दूसरी जगह स्थानांतरित करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा। इसपर निगम आयुक्त ने कहा कि समय चाहने वाले संचालकों को नोटराइन्ड शपथ पत्र के साथ विधिवत आवेदन जमा करना होगा। आवेदन पर नियमानुसार विचार किया जाएगा। सिफ मौखिक अनुरोध के आधार पर कार्रवाई से छूट नहीं मिलेगी। नगर निगम ने सभी कोचिंग संचालकों से भवन के स्वीकृत उपयोग, पार्किंग, आपातकालीन निकासी और अग्नि सुरक्षा के निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करने की अपील की है। निगम की ओर से बताया गया कि विद्यार्थियों और आम नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नियमों के अनुपालन के लिए कार्रवाई जारी रहेगी।



महार्प छठ को लेकर रांची नगर निगम अलर्ट, घाटों की सफाई और सुरक्षा दुरुस्त करने का सख्त निर्देश

रांची(बिभा): लोक आस्था के महापर्व छठ को देखते हुए रांची नगर निगम ने शहर के विभिन्न तालाबों और छठ घाटों पर तैयारियां तेज कर दी हैं। निगम प्रशासन द्वारा घाटों की व्यापक साफ-सफाई और जरूरी व्यवस्थाओं को समय-समय के भीतर दुरुस्त करने का काम तेजी से कराया जा रहा है, ताकि छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को कड़े निर्देश देते हुए स्पष्ट किया है कि महापर्व के दौरान किसी भी घाट पर व्यवस्था में कोई खामी नहीं होनी चाहिए। व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी घाटों के साथ-साथ पहुंच मार्गों पर भी निरंतर साफ-सफाई बनाए रखने के आदेश दिए हैं। सुरक्षा के मद्देनजर नगर आयुक्त ने गहरे पानी वाले तालाबों और घाटों की पहचान कर वहां लाल फीते से बैरिकेडिंग करने और चेतावनी बोर्ड लगाने के निर्देश दिए हैं, जिससे किसी भी अनहोनी से बचा जा सके। इसके अलावा, श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए घाटों और आसपास के इलाकों में बंद पड़ी सभी स्ट्रीट लाइटों को तत्काल दुरुस्त करने को कहा गया है। अधिकारियों को स्वयं घाटों का निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाएं प्राथमिकता के आधार पर समय पर पूरी कराने का निर्देश दिया गया है।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार मोरहाबादी और अरगोड़ा में रावण दहन कार्यक्रम में हुए शामिल

विजयादशमी बुराई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक: राज्यपाल

बिभा संवाददाता

रांची: राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार विजयादशमी के पावन अवसर पर राजधानी रांची के मोरहाबादी और अरगोड़ा मैदान में आयोजित भव्य रावण दहन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने समस्त राज्यवासियों को विजयादशमी की बधाई व शुभकामनाएं दीं। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि विजयादशमी का पर्व असत्य पर सत्य, बुराई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म की विजय का शाश्वत संदेश देता है। यह दिन हर व्यक्ति को अपने जीवन में सत्य, सदाचार और उच्च नैतिक मूल्यों को आत्मसात करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने देश के विकास का उल्लेख



करते हुए कहा कि भारत आज निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ते हुए विश्व रूपल पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। वैश्विक स्तर पर देश की प्रतिष्ठा लगातार बढ़ रही है।

राज्यपाल ने कामना व्यक्त की कि झारखंड भी समग्र विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़े और देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में अपनी विशिष्ट पहचान दर्ज कराए। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए उन्होंने सभी नागरिकों से

एकजुटता, समर्पण और पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ योगदान देने का आह्वान किया। साथ ही, उन्होंने यह पर्व समाज में आपसी सद्भाव, एकता, सकारात्मक ऊर्जा और हर नागरिक के जीवन में सुख-समृद्धि लेकर आने की मंगलकामना की।

बुड़ू कॉलेज की एनसीसी यूनिट फिर शुरू कराने की मांग पर राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड लोक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो ने बुधवार को राज्यपाल से मुलाकात की। इसके साथ ही पीपीके कॉलेज, बुड़ू की 41 वर्षों से संचालित एनसीसी यूनिट का निलंबन समाप्त कर पुनः शुरू करने की मांग को लेकर राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा गया। देवेंद्र नाथ महतो ने जारी प्रेस विज्ञापित में बताया कि राज्यपाल ने बुड़ू कॉलेज की उस एनसीसी यूनिट को फिर से शुरू कराने की मांगों पर सकारात्मक आश्वासन दिया है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़े इस मामले में राज्यपाल से अविलंब हस्तक्षेप करने की मांग की गई है। राज्यपाल ने संबंधित विभाग एवं विश्वविद्यालय को पत्र लिखने का आश्वासन दिया।



देवेंद्रनाथ महतो ने कहा कि एनसीसी यूनिट बंद होने से बुड़ू, तमाड़, सिल्ली, राहे, सोनाहातू और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों के अवसर प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा कि किसान, मजदूर और गरीब परिवारों के बच्चों के लिए एनसीसी अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कॉलेज प्रबंधन की कथित लापरवाही को मौजूदा स्थिति के लिए जिम्मेदार बताते हुए मामले की निष्पक्ष समीक्षा और जवाबदेही

तय करने की भी मांग की। महतो ने बताया कि संबंधित एनसीसी बटालियन और कमान अब कॉलेज में यूनिट का संचालन जारी रखने के इच्छुक नहीं हैं। देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि यूनिट दोबारा शुरू कराने के लिए प्रयास जारी रहेंगे। उचित कार्रवाई नहीं होने पर विद्यार्थियों और अभिभावकों से विचार-विमर्श कर लोकतांत्रिक तरीके से आगे की गतिविधियों की जाएगी। राज्यपाल से मुलाकात करने वाले प्रतिनिधिमंडल में गिरिधर महतो, वर्षा रानी, दुर्गामणि कुमारी और प्राची कुमारी शामिल थीं।

बिभा संवाददाता

रांची: सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) की ओर से सतर्कता जागरूकता अभियान-2026 के अंतर्गत 26 एवं 27 अक्टूबर को दो दिवसीय 'सतर्कता महोत्सव-2026' का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन सीसीएल मुख्यालय स्थित दरभंगा हाउस परिसर में होगा। इस वर्ष महोत्सव की थीम "Probity for Prosperity : सत्यनिष्ठा से समृद्धि तय की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य कार्यस्थल और समाज में सत्यनिष्ठा, नैतिकता, पारदर्शिता और जाबदेही को बढ़ावा देना है, साथ ही प्रतिभागियों को अपनी कलात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर उपलब्ध कराना है। दो दिवसीय महोत्सव के दौरान कई

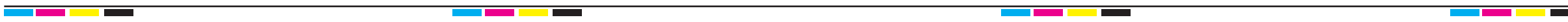
रचनात्मक और सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। 26 अक्टूबर को सुबह 10:30 बजे उद्घाटन समारोह के बाद स्ट्रीट पेंटिंग, रंगोली, पॉट पेंटिंग और समूह श्रेणी में 'नारी शक्ति वंदन' का आयोजन होगा। वहीं, 27 अक्टूबर को फेस पेंटिंग और एकल गायन प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिसके बाद दोपहर 12:30 बजे से समापन समारोह संपन्न होगा। सीसीएल प्रबंधन के अनुसार, कला और संस्कृति के माध्यम से नैतिक मूल्यों का संदेश देना इस पहल की मुख्य प्राथमिकता है। विभिन्न स्पर्धाओं में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी आधिकारिक पोस्टर में जारी क्यूआर कोड को स्कैन करके अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

रांची में आज से पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता, राज्यपाल करेंगे उद्घाटन

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड पुलिस का 15 वां अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता 22 से 26 अक्टूबर तक रांची के खेलगांव स्थित मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होगा। प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों के पुलिस संगठनों और केंद्रीय पुलिस संगठनों की 29 टीमों हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता में कुल 432 खिलाड़ी 37 स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता का उद्घाटन 22 अक्टूबर की सुबह 10 बजे बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम, खेलगांव में होगा। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। वहीं 26 अक्टूबर को दोपहर 2.30 बजे आयोजित समापन समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शामिल होंगे। झारखंड तीरंदाजी प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है। इससे पहले वर्ष

2013 और 2016 में भी राज्य में इसका आयोजन हुआ था। प्रतियोगिता में रिकर्व, कंपाउंड और इंडियन राउंड की पुरुष और महिला स्पर्धाओं के साथ व्यक्तिगत एवं टीम मुकाबले होंगे। पहले दिन रिकर्व पुरुष वर्ग की 70 मीटर और कंपाउंड महिला वर्ग की 50 मीटर स्पर्धाएं होंगी। 23 और 24 अक्टूबर को विभिन्न वर्गों के मुकाबले और एलिमिनेशन राउंड आयोजित किए जाएंगे। 25 अक्टूबर को व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पर्धाओं के पदक मुकाबले होंगे, जबकि 26 अक्टूबर को पुरुष एवं महिला टीम वर्गों के फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। आयोजन के संचार संचालन के लिए 16 समितियाँ एवं उप-समितियाँ का गठन किया गया है। व्यवस्थापक समिति का अध्यक्ष डीजीपी वदशा मिश्रा हैं, जबकि अपर पुलिस महानिदेशक प्रिया दुबे संयोजक सचिव की जिम्मेदारी संभाल रही हैं।



विजयादशमी पर पिंझजोरा में दिखी बंगाली परंपरा की झलक, सुहागिनों ने खेला सिंदूर

अगले वर्ष मां दुर्गा के फिर आगमन की कामना करते हुए उन्हें विदाई दी

बिभा संवाददाता
पिंझाजोरा (बोकारो)। विजयादशमी के अवसर पर बोकारो के पिंझाजोरा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में मां दुर्गा की विदाई के मौके पर पारंपरिक सिंदूर खेला का आयोजन किया गया. इस दौरान सुहागिन महिलाओं ने मां दुर्गा को सिंदूर अर्पित कर भावभीनी विदाई दी और अगले वर्ष फिर आने की कामना की. ह्वाआसछे बोछोर



आबार एशो मांह के जयघोष से पूजा पंडालों का माहौल भक्तिमय हो गया. चाकुलिया, घटियाली,

नारायणपुर, कुरा, मिर्धा, कुमारदागा और पिंझाजोरा सहित आसपास के गांवों में महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाज के



साथ सिंदूर खेला किया. महिलाओं ने पान के पत्ते से मां दुर्गा को सिंदूर अर्पित किया. इसके बाद एक-दूसरे के मांथे

और गाल पर सिंदूर लगाकर अखंड सौभाग्य, पति की दीर्घायु और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की.

संक्षिप्त खबरें

धनडाबर में कलश व माँ को डोली में विसर्जन के साथ संपन्न

बोकारो(बिभा)। चास प्रखंड के धनडाबर गांव में श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा बुधवार को कलश व माँ को डोली में चौबे बांध में विधिवत पुजा अर्चना के साथ किया गया।इस दौरान मंदिर हजारों महिला पुरुष श्रदालु तलाब पहुंचे। विसर्जन के बाद माँ के भासली भासली,,,,,,, एक बार श्यामा नाचोत देखी,,, गीत की धून पर नाचते गाते पुनः मंदिर पहुंचे।महिलाएं आकर्षक सिंदूर खेल खेला नृत्य भी किया।खिर महाप्रसाद का वितरण किया गया पुजा समिति के पंडित श्यामल उपाध्याय, मुख्य व्रती सुलपाणी ओझा, पंडित मनिष पांडेय ,संरक्षक नारायण चौबे , पी एन चौबे,गोपाल चन्द्र चौबे व चौबे परिवार सहित आसपास के हजारों श्रदालु शामिल थे।

राष्ट्र सेविका समिति ने मनाया विजयादशमी पर्व, हुआ शस्त्र पूजन

बोकारो(बिभा)। राष्ट्र सेविका समिति की लक्ष्मीबाई शाखा, बालीडीह की ओर से विजयादशमी के पावन अवसर पर शस्त्र पूजन कार्यक्रम धूमधाम से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में समिति की बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन के माध्यम से संगठन, संस्कार और राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर मातृशक्ति प्रमुख रुपाली अग्रवाल ने उपस्थित सेविकाओं को संबोधित करते हुए संगठन की महत्ता, भारतीय संस्कारों के संरक्षण तथा राष्ट्र सेवा के क्षेत्र में सेविकाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने समाज में सांस्कृतिक मूल्यों और राष्ट्रीय चेतना को मजबूत करने के लिए संगठित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के संचालन में सीमा सिंह ने मुख्य भूमिका निभाई, जबकि ध्वज वहन का दायित्व पूरम कुमारी ने संभाला। प्रार्थना ईशा ने प्रस्तुत की। वहीं, श्लोक पाठ सलोनी तथा अमृत वचन अशिका ने प्रस्तुत किया। विजयादशमी के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम ने राष्ट्रीय चेतना, संगठन शक्ति और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण का संदेश दिया। आयोजन के माध्यम से समाज में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और सेवा भाव को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया गया।

चास चेकपोस्ट के पास युवक की बेरहमी से पिटाई, रस्सी से बांधकर घसीटने का वीडियो वायरल

बोकारो(बिभा)। चास थाना क्षेत्र के चेकपोस्ट के पास एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। राज पांडे नामक युवक की एक दर्जन से अधिक लोगों द्वारा कथित तौर पर पिटाई किए जाने और बाद में रस्सी से बांधकर घसीटने का आरोप है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में है। जानकारी के अनुसार, घटना की सूचना मिलने पर चास पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को इलाज के लिए सदर अस्पताल, बोकारो में भर्ती कराया। घायल राज पांडे का आरोप है कि 10 से अधिक लोगों ने बिना किसी कारण अचानक उस पर हमला कर दिया, जिससे वह बेहोश हो गया। हालांकि, घटना के पीछे की वास्तविक वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। वहीं, पुलिस के अनुसार, घटना से एक दिन पहले युवक द्वारा कथित तौर पर नशे की हालत में एक अन्य युवक पर तलवार से हमला करने की कोशिश किए जाने की बात सामने आई है। फिलहाल, पुलिस की ओर से पूरे मामले में आधिकारिक तौर पर विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। घटना के बाद मारपीट की वजह, युवक को रस्सी से बांधकर घसीटने के आरोप और उससे जुड़े घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच जरूरी है। पुलिस जांच के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

पांच मदिरों के प्रतिमा का विसर्जन किया गया

बोकारो(बिभा)। बुधवार को तुपकाडीह स्टेशन रोड स्थित दुर्गाधर्म में स्थापित किये गए मां भगवती के नो रूप के मिट्टी से बने मूर्तियों का विसर्जन गाजेबाजे के साथ तेनु बोकारो नहर में किया गया। इसके अलावा कुंडोरी , तांती , कनारी और अम्बेडकर नगर की प्रतिमाओं का जुलूस निकालकर विसर्जित की गई। इससे पहले मंदिर प्रांगण में महिलाओं ने सिंदूर खेला कर मां भवानी को विदाई दी। नवरात्र से विजयादशमी तक का उत्सव धूमधाम से मनाया गया। सभी पूजा कमिटी ने शांतिपूर्ण उत्सव के लिए ग्रामीणों को बधाई दी है।

तुपकाडीह में बजरंग दल ने की शस्त्र पूजन

बोकारो(बिभा)। जरीडीह प्रखंड खूंटरी पंचायत के कुशुलमुडू गांव में स्तिथ हनुमान मंदिर के प्रांगण में बजरंग दल के सदस्यों ने विजयादशमी के दिन विधि विधान के साथ शस्त्रों का पूजन किया और जय दुर्गे , जय बजरंग का जयकारे लगाने के बाद हनुमान चालीसा का पाठ किया। प्रखंड अध्यक्ष सौरभ ठाकुर ने कहा कि शस्त्र पूजन करने की परंपरा वर्षों से चली आ रही है। बजरंग दल देश को हिन्दुराष्ट्र बनाने के लिए संकल्पित है। मौके पर सावंत उर्फ गोलू अग्रवाल , अंशु राज , हिमांशु वर्णवाल , रवि , राहुल , आदित्य , प्रेम , सूरज समेत सभी सदस्य मौजूद रहे।

नशे के लिए पैसे नहीं मिले तो युवक की हत्या, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता
बोकारो। माराफारी थाना क्षेत्र की बीएसएल झोपड़ी कॉलोनी में युवक की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा करने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार, नशे के लिए पैसे नहीं मिलने पर हुए विवाद के बाद युवक की हत्या की गई। मामले की जांच के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मुख्य आरोपी सूरज कुमार उर्फ भूरा (28) को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने घटनास्थल से गमछा, चपल और गंजी समेत कई अहम साक्ष्य बरामद किए हैं।

पुलिस के मुताबिक, वारदात 17-18 अक्टूबर 2026 की रात माराफारी थाना क्षेत्र के डोमपाड़ा के



नीचे स्थित खाली जगह पर हुई थी। यह स्थान बीएसएल झोपड़ी कॉलोनी में कृष्ण मंदिर के पास है। घटना के संबंध में माराफारी थाना कांड संख्या 85/2026, दिनांक 18 अक्टूबर 2026 को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1)/3(5) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस की जांच और परिजनों के

बयान के आधार पर हत्या की वजह नशे के लिए पैसे नहीं मिलना बताई जा रही है। जांच में सामने आया कि आरोपी पैसे मांग रहा था। पैसे नहीं मिलने पर विवाद हुआ, जिसके बाद युवक की हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, आरोपी की मां और बहनों ने भी उसके गुस्सेल स्वभाव के संबंध में जानकारी दी है। हालांकि, मामले के अन्य

शौंडिक समाज ने धूमधाम से मनाया डाडिया उत्सव, राजस्थानी और गुजराती नृत्य ने बांधा समां

बिभा संवाददाता
बोकारो। शौंडिक समाज, बोकारो की ओर से विजयादशमी के अवसर पर सेक्टर-2 स्थित मां अंबे गार्डन में भव्य डाडिया कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में समाज की महिला समिति की अगुवाई में महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और नृत्य-संगीत के बीच उत्सव का आनंद उठाया। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक राजस्थानी और गुजराती नृत्य की प्रस्तुतियों ने माहौल को रंगीन बना दिया। डाडिया की धुन पर समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। इस अवसर पर मुख्य अतिथियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन



विश्वजीत सुमन, सुधीर कुमार, संतोष कुमार, राज किरण, विश्वनाथ गुप्ता, सुनील चौधरी, मुकेश कुमार और नीरज कुमार सहित समाज के वरिष्ठ सदस्यों के नेतृत्व में किया गया। आयोजकों ने समाज के लोगों को एकजुट होकर सामाजिक विकास की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने कहा कि इस तरह के आयोजन से आपसी प्रेम, भाईचारा और

एकता मजबूत होती है। व्यस्त दिनचर्या के कारण समाज के कई लोग एक-दूसरे से मिल नहीं पाते हैं। ऐसे कार्यक्रम सभी को एक मंच पर आने, आपसी संबंध मजबूत करने और खुशियां साझा करने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले वर्षों में समाज के लोग मिलकर इस तरह के आयोजनों को और भी भव्य बनाएंगे। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ।

विस्थापितों और अप्रेंटिस के नियोजन का रास्ता खुलेगा, सात दिनों में आगे बढ़ेगी प्रक्रिया

त्रिपक्षीय वार्ता में बनी सहमति, चतुर्थवर्गीय पदों पर आरक्षण और अप्रेंटिस पास युवाओं के नियोजन पर बनेगी नीति; गृह्य हड़ताल समाप्त

बोकारो। विस्थापितों और अप्रेंटिस पास युवाओं के नियोजन की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन के बीच बुधवार को बोकारो निवास में हुई त्रिपक्षीय वार्ता सकारात्मक रही। वार्ता में सहमति बनने के बाद नियोजन नीति बनाने की दिशा में प्रक्रिया आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया। आंदोलन का नेतृत्व कर रही बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने बताया कि सात दिनों के अंदर संबंधित पत्र जारी कर आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके साथ ही भूख हड़ताल समाप्त करने की घोषणा की गई। विधायक श्वेता सिंह ने कहा कि वार्ता में विस्थापित परिवारों और अप्रेंटिस परिवारों के प्रतिनिधि



शामिल हुए। सभी की सहमति से विस्थापितों के चतुर्थवर्गीय पदों पर नियोजन और अप्रेंटिस पास युवाओं के नियोजन के मुद्दे को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी है। इस संबंध में वह अपने लेटरपैड से पत्र लिखकर प्रक्रिया को आगे बढ़ाएंगी। उन्होंने बताया कि वार्ता की कार्यवाही और मिनट्स सेल प्रबंधन, चेरसैन, उपायुक्त, गृह सचिव और मुख्य सचिव को भेजे जाएंगे, ताकि नियोजन नीति तैयार करने की दिशा में काम हो सके।

विधायक के अनुसार, प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके अप्रेंटिस युवाओं को नियोजन नीति में शामिल करने तथा चतुर्थवर्गीय पदों पर आरक्षण के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। प्रेम और उनके भाई के नियोजन का विषय भी वार्ता में उठाया गया। श्वेता सिंह ने कहा कि लंबे समय से नियोजन नीति को लेकर सकारात्मक पहल नहीं हो पा रही थी। अब इस दिशा में आगे काम करने का अवसर मिला है, जो आंदोलन की बड़ी सफलता है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी नियोजन नीति पर काम किया जाना बाकी है। हालांकि, आंदोलन से जुड़े कुछ लोग वार्ता से पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं। विधायक ने कहा कि जो लोग लगातार भूख हड़ताल में उनके साथ थे, वे संतुष्ट हैं। कुछ अन्य लोग भूख हड़ताल के बजाय धरना करने के पक्ष में हैं। आपसी सहमति और सामंजस्य के आधार पर आगे की रणनीति तय की जाएगी।

सेल वेज रिवीजन-2017 के एमओयू को पांच साल पूरे, अब तक एमओए और एरियर भुगतान नहीं: बीएकेएस

बिभा संवाददाता
बोकारो। स्टील ऑथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) में वेतन पुनरीक्षण-2017 को लेकर हुए एमओयू के पांच साल पूरे होने पर बोकारो इस्पात कामगार संगठन (बीएकेएस) ने प्रबंधन, इस्पात मंत्रालय और एनजेसीएस यूनियनों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। संगठन का आरोप है कि 21-22 अक्टूबर 2021 को हुए वेतन पुनरीक्षण समझौते में कई अनियमितताएं हुईं, लेकिन पांच साल बाद भी उन्हें दूर नहीं किया गया। बीएकेएस के अनुसार, अब तक न तो एमओए किया गया है और न ही कर्मचारियों को 39 माह के एरियर का भुगतान हुआ है। संगठन का दावा है कि इसके कारण सेल कर्मचारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। बीएकेएस ने वेतन पुनरीक्षण प्रक्रिया में आम सहमति, समझौते की वैधता और अधिकारियों तथा कर्मचारियों के बीच लाभों में अंतर को लेकर सवाल उठाए हैं। संगठन का कहना है कि एनजेसीएस के संविधान के अनुसार समझौते के लिए सभी संबंधित पक्षों की सहमति आवश्यक है, जबकि प्रबंधन ने बहुमत के आधार पर एमओयू किया। संगठन ने आरोप लगाया कि इस मामले में इस्पात मंत्रालय और एनजेसीएस यूनियनों ने प्रभावी विरोध दर्ज नहीं कराया। एमजीबी और पक्स में अंतर पर उठाए सवाल संगठन ने अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए न्यूनतम गारंटीकृत लाभ (एमजीबी) तथा पक्स की दरों में अंतर को भी मुद्दा बनाया है। बीएकेएस के मुताबिक, दस वर्षों में वेतन पुनरीक्षण में अधिकारियों के लिए 15 प्रतिशत एमजीबी और 35 प्रतिशत पक्स, जबकि कर्मचारियों के लिए 13 प्रतिशत एमजीबी और 26.5 प्रतिशत पक्स निर्धारित किए गए। संगठन ने इस अंतर के आधार पर कर्मचारियों को हुए नुकसान पर सवाल उठाया है। बीएकेएस का आरोप है कि अधिकारियों को एक अप्रैल 2020 से अक्टूबर 2021 तक की अवधि के पक्स एरियर का भुगतान किया गया, जबकि कर्मचारियों के पक्स एरियर को सरकार की मंजूरी की तिथि से प्रभावी किया गया। संगठन ने इस अंतर के

कारणों को सार्वजनिक करने की मांग की है। बीएकेएस ने कहा कि एमओयू में 39 माह के एरियर भुगतान के लिए सब-कमेटी बनाने का उल्लेख था, लेकिन संगठन के अनुसार न तो एरियर का भुगतान हुआ और न ही इस संबंध में अपेक्षित प्रक्रिया पूरी की गई। संगठन का यह भी आरोप है कि बिना एमओए किए ही एमओयू के आधार पर वेतन पुनरीक्षण लागू कर दिया गया। इसके बावजूद प्रबंधन से लिखित स्पष्टीकरण नहीं मांगा गया। संगठन ने एनजेसीएस की बैठकों की संख्या और कर्मचारियों के प्रतिनिधित्व को लेकर भी सवाल उठाए हैं। बीएकेएस के मुताबिक, 2021 के एमओयू के बाद 2022 और 2024 में ही एनजेसीएस की बैठके हुईं। संगठन ने भिलाई, बोकारो, दुर्गापुर, एएसपी और सीएफपी इकाइयों में कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले नेताओं के निर्वाचन और अधिकारों पर भी सवाल उठाए हैं। इसके अलावा, बीएकेएस ने भिलाई इस्पात संयंत्र की मान्यता प्राप्त यूनियन के तत्कालीन प्रतिनिधि वंश बहादुर सिंह द्वारा 21-22 अक्टूबर 2021 को एमओयू पर हस्ताक्षर किए जाने के अधिकार पर सवाल खड़ा किया है। संगठन का दावा है कि संबंधित यूनियन का कार्यक्रम 9 अक्टूबर 2021 को समाप्त हो गया था। इस आधार पर उसने हस्ताक्षर की वैधता पर स्पष्टीकरण मांगा है। बीएकेएस के महासचिव हरिओम ने आरोप लगाया कि वेतन पुनरीक्षण के मामले में इस्पात मंत्रालय, सेल प्रबंधन और एनजेसीएस के कुछ गैर-निर्वाचित नेताओं की भूमिका के कारण कर्मचारियों के हित प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को अब तक एरियर का लाभ नहीं मिलना चिंता का विषय है। संगठन ने वेतन पुनरीक्षण-2017 से जुड़े मुद्दों पर स्पष्टता, एमओए की स्थिति और एरियर भुगतान के संबंध में जवाबदेही तय करने की मांग की है। हालांकि, इन आरोपों पर सेल प्रबंधन, इस्पात मंत्रालय और संबंधित एनजेसीएस यूनियनों का पक्ष सामने आना बाकी है।

कोर्ट कचहरी से प्लांट नहीं चल



टेन्डर मे किया जा रहा है आखिर जमीन दाता करे तो क्या करे जहाँ नियोजन मिलना चाहिए वहाँ ठेकामजदुरी पर भी आफत हो गया है जहाँ और रोजगार मिलना चाहिए वहीं हर टेन्डर मे दर्जनों को काम से निकाल कर बेरोजगार किया जा रहा है। वहीं आभरण अनशन पर बैठे स्थानीय विधायक स्वेंता सिंह,शहीदा प्रेम महतो की माताजी,अंजेली सिंह सहित दर्जनों अनशनकारियों का तबियत दिन प्रतिदिन बिगड़ता जा रहा है जो नहीं तो शहर के लिए या प्लांट के लिए अच्छा संकेत है।।आने वाले समय मे प्लांट के उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने से पहले आन्दोलन के नेतृत्व करने वालों से बोकारो स्टील

प्रबंधन को आमने सामने बैठकर समस्याओं का समाधान निकालेने का काम करना चाहिए तथा प्रबंधन को बल से नहीं बुद्धी से काम लेना चाहिए जिससे औद्योगिक शांति बना रहे सके तथा प्लांट बिस्तारीकरण भी शुभ शुभ पूरा हो सके।बैठक मे झारखंड मुक्ति मोर्चा केन्द्रीय सदस्य सह जय झारखंड मजदूर समाज महामंत्री बि के चौधरी,एक्टू महामंत्री देवदीप सिंह दिवाकर, झारखंड क्रान्तिकारी मजदूर युनियन महामंत्री डी सी गोहाई,जे जे एम एस अध्यक्ष एन के सिंह, एफ्टू उपाध्यक्ष जे एन सिंह, आई अहमद, आर बी चौधरी,अमोद कुमार, सच्येंद्र कुमार इत्यादि ने अपना अपना बिचार दिया ।

खैराचातर में डांस इंडिया डांस प्रतियोगिता का भव्य आयोजन, तमन्ना कुमारी बनीं विजेता



बोकारो: श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति खैराचातर के तत्वावधान में महानवमी के पावन अवसर पर भव्य 'डांस इंडिया डांस' (सीजन-01) सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय बाल एवं युवा कलाकारों ने भक्ति, लोक और आधुनिक संगीतमय धुनों पर एक से बढ़कर एक मनमोहक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिता में कलाकारों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जिसमें बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर प्रथम स्थान तमन्ना कुमारी ,द्वितीय स्थान आराध्या राँय ,तृतीय स्थान संतोष गोवर्धन गुरुर रहे। विजेता प्रतिभागियों को पूजा कमेटी द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में निर्णायक मंडली की भूमिका निशाकर दे, रश्मि रंजना एवं मनोज कुमार महतो ने

निभाई। वहीं मंच का सफल संचालन बादल दे, साक्षी श्रेया, विशाल पोद्दार तथा मनीष जायसवाल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। देर रात तक चले इस सांस्कृतिक महोत्सव का क्षेत्र के सैकड़ों ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने भरपूर आनंद लिया। इसी के साथ आज सुबह लोक पत्रिका विसर्जन के साथ मां दुर्गा के प्रतिमा का विसर्जन पूरे उल्लासपूर्वक के साथ किया गया।समारोह को सफल बनाने में प्रशंति राज, सुनील कपरदार, अमितेज कुमार जायसवाल, विशाल कुमार पोद्दार, मनीष गौतम, लक्ष्मण अड्डा, विनीत कुमार दे, आनंद दे, देवेश विशाल, रंजीत जायसवाल, लोकेश दे, प्रकाश दे, अनिकेत दे, रूपेश जायसवाल, विजय जायसवाल, गौतम सागर, कुमार गौरव, अमित कुमार एवं रामनारायण जायसवाल सहित स्थानीय ग्रामीण शामिल थे।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कसमार-बरलंगा मुख्य सड़क का किया निरीक्षण, चाय-पकौड़ी का भी लिया स्वाद

बिभा संवाददाता
रामगढ़ : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को बोकारो जिले में निमाणाधीन कसमार-बरलंगा मुख्य सड़क का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति और वर्तमान स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सड़क के विभिन्न हिस्सों का अवलोकन किया और क्षेत्र में आवागमन की दृष्टि से इसकी उपयोगिता पर ध्यान दिया। वापसी के क्रम में मुख्यमंत्री ने सेवाती घाटी का भी निरीक्षण किया और वहां की भौगोलिक स्थिति तथा सड़क मार्ग का जायजा लिया।

कसमार-बरलंगा मुख्य सड़क क्षेत्र की आवागमन व्यवस्था के लिहाज से महत्वपूर्ण है। इसके निर्माण से आसपास के गांवों और क्षेत्रों के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य,



स्थानीय दुकान पर चाय-पकौड़ी का लिया स्वाद

सड़क निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री कसमार के तीनकोनिया चौक स्थित एक स्थानीय दुकान पर पहुंचे। वहां उन्होंने अपनी धर्मपत्नी और विधायक कल्पना सोरेन के साथ बैठकर गरमा-गरम चाय और पकौड़ी का स्वाद लिया। मुख्यमंत्री

के इस तरह स्थानीय दुकान पर पहुंचने से वहां मौजूद लोगों में उत्सुकता देखने को मिली। इस दौरान उन्होंने सहज माहौल में स्थानीय लोगों से बातचीत की और उनका हालचाल जाना। तीनकोनिया चौक पर मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर क्षेत्र की स्थिति, जनजीवन और



उपलब्ध जनसुविधाओं के बारे में जानकारी ली। विधायक कल्पना सोरेन ने भी लोगों से बातचीत की। मुख्यमंत्री और विधायक को

अपने बीच पाकर स्थानीय लोगों में उत्साह देखा गया। लोगों ने उनसे मुलाकात पर प्रसन्नता व्यक्त की।

संक्षिप्त खबरें

सिंदूर खेला में रोशनी सुरेका और सिंपल सुरेका ने किया धुनुची नृत्य



हजारीबाग(बिभा) : विजयादशमी के पावन अवसर पर हजारीबाग जिला मारवाड़ी सम्मेलन नारी शक्ति की ओर से स्थानीय अग्रसेन भवन में सिंदूर खेला का आयोजन किया गया। इस दौरान महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। पारंपरिक रीति-रिवाजों के बीच मां दुर्गा को सिंदूर अर्पित कर महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर सुहाग, सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की कार्यक्रम का आकर्षण धुनुची नृत्य रहा। रोशनी सुरेका और सिंपल सुरेका ने पारंपरिक अंदाज में धुनुची नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित महिलाओं का मन मोह लिया। उनकी शानदार प्रस्तुति ने पूरे आयोजन में उत्साह और उमंग का माहौल बना दिया।बंगाली परंपरा से जुड़े सिंदूर खेला और धुनुची नृत्य ने विजयादशमी के उत्सव को और भी खास बना दिया। महिलाओं ने पूरे उल्लास के साथ इस पारंपरिक आयोजन में भाग लिया और मां दुर्गा से सभी के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि बनाए रखने की प्रार्थना की।

विजयादशमी पर अग्रवाल महिला मंडल ने माता को चढ़ाई चुनरी और माला



हजारीबाग(बिभा) : विजयादशमी के पावन अवसर पर अग्रवाल महिला मंडल की ओर से माता रानी की पूजा-अर्चना कर श्रद्धापूर्वक चुनरी और माला अर्पित की गई। इस दौरान मंडल की अध्यक्ष शोभा मुनका के नेतृत्व में महिलाओं ने माता रानी के चरणों में शीश नवाकर परिवार, समाज और समस्त क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं शांति की कामना की।धार्मिक आस्था और भक्तिभाव के माहौल में महिलाओं ने माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। विजयादशमी के अवसर पर माता के प्रति श्रद्धा प्रकट करते हुए सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहने की प्रार्थना की गई। अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष शोभा मुनका ने कहा कि धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराएं समाज को एकजुट करने के साथ-साथ आपसी प्रेम, सद्भाव और भक्ति की भावना को मजबूत करती हैं। अध्यक्ष शोभा मुनका, उपाध्यक्ष संगीता नारनौली,मंत्री सोनाली बंसल,सह मंत्री बरखा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष कविता अग्रवाल,सह कोषाध्यक्ष सविता अग्रवाल, समेत कई महिलाएं शामिल हुईं।

70वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता: आदित्य रंजन ने जीता कांस्य पदक

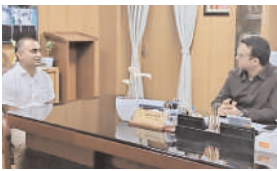
रांची(बिभा) : श्रीनगर में आयोजित 70वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में झारखंड के खिलाड़ी आदित्य रंजन ने अंडर-17 बालक वुशु के 65 किश्रा वर्ग में कांस्य पदक जीतकर राज्य को सत्र का पहला राष्ट्रीय पदक दिलाया। आदित्य ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वियों को कड़ी टक्कर दी और पदक हासिल कर राज्य का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता का आयोजन 15 से 19 अक्टूबर 2026 तक श्रीनगर स्थित गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन, गान्दर्व में किया गया। झारखंड की 16 सदस्यीय टीम ने स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड के अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, राँची के नेतृत्व में प्रतियोगिता में भाग लिया। टीम के खिलाड़ियों ने कोच एवं मैनेजर सुशील कच्छप, इंदु मुंडा, वासुदेव टोपो एवं प्लवी की देखरेख में प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इस उपलब्धि पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह, परियोजना निदेशक शशि रंजन, प्रशासी पदाधिकारी मनोज कुमार, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरेंद्र ए. सोरेन तथा राज्य खेल कोषांग के सभी सदस्यों ने आदित्य रंजन को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।



दुर्गा पूजा के शांतिपूर्ण एवं सफल आयोजन पर उप महापौर ने उपायुक्त के प्रति जताया आभार

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग शहर में दुर्गा पूजा का पर्व शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण माहौल में सफलतापूर्वक संपन्न होने पर आज नगर निगम के उप महापौर श्री अविनाश कुमार यादव ने उपायुक्त महोदय से शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर उप महापौर अविनाश कुमार यादव ने कहा कि जिला प्रशासन के कुशल नेतृत्व, सक्रियता एवं बेहतर समन्वय के कारण शहर में दुर्गा पूजा का आयोजन शांति एवं सौहार्द के वातावरण में संपन्न हुआ। साथ ही, दुर्गा पूजा से पूर्व शहर की सड़कों पर बने गड्ढों की मरम्मत करवाकर आम नागरिकों एवं श्रद्धालुओं को आवागमन में राहत प्रदान करने के लिए उन्होंने उपायुक्त महोदय की सराहना की।इन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान शहरवासियों की सुविधा, सुखा एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की जनहित के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ऐसे



सकारात्मक प्रयासों से प्रशासन एवं आम जनता के बीच विश्वास और सहयोग की भावना मजबूत होती है। इस शिष्टाचार मुलाकात के दौरान वार्ड पार्षद विजय प्रसाद, टिकू खान, दिपंजन, पार्षद प्रतिनिधि गलिब अहमद, फ़ियोज आलम, विशाल वर्मा सहित शहर के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।अंत में उप महापौर अविनाश कुमार यादव ने जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर निगम के संबंधित पदाधिकारियों,कर्मियों एवं समस्त शहरवासियों को दुर्गा पूजा के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन में सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने भविष्य में भी इसी प्रकार आपसी समन्वय, भाईचारे और सौहार्द के साथ हजारीबाग शहर के विकास एवं जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाने की अपील की।

स्वर्वेद महामंदिर के प्रारूप ने मोहा मन: श्री राम लला पूजा समिति का दुर्गोत्सव संपन्न, विसर्जन के साथ दी गई मां को विदाई

वाराणसी के स्वर्वेद महामंदिर की तर्ज पर बना 150 फीट चौड़ा पंडाल रहा मुख्य आकर्षण

मन्य झांकी व ताशा पार्टी के साथ निकली विसर्जन शोभायात्रा, बड़ा तालाब में हुआ विसर्जन

समिति ने जिला प्रशासन, नगर निगम, मीडिया और श्रद्धालुओं के प्रति जताया आभार

बिभा संवाददाता

रांची: श्री राम लला पूजा समिति, रांची द्वारा लगातार तीसरे वर्ष आयोजित भव्य दुर्गोत्सव का विधिवत समापन मां भगवती की प्रतिमा के विसर्जन के साथ हुआ। वाराणसी के विश्वविख्यात स्वर्वेद महामंदिर की स्थापत्य कला पर आधारित लगभग 150 फीट चौड़े



और 100 फीट ऊंचे भव्य पूजा पंडाल, कलात्मक गर्भगृह और आकर्षक विद्युत सज्जा ने पूरे दुर्गोत्सव के दौरान लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित किया।

धूमधाम से निकली विसर्जन शोभायात्रा

शाम छह बजे रांची जिला स्कूल प्रांगण से मां भगवती की विसर्जन शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में आगे भगवान श्रीराम की मनमोहक झांकी, ताशा पार्टी और राजसिंहासन पर मां की छोटी प्रतिमा

विराजमान थी। यह यात्रा फिरयालाल चौक, सर्जना चौक, शहीद चौक, कोतवाली और लेक रोड होते हुए बड़ा तालाब पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के बाद मां को विदाई दी गई। वहीं, पंडाल में स्थापित मां की बड़ी प्रतिमा का विसर्जन परिसर में ही जलाभिषेक कर संपन्न कराया गया।

सहयोगियों और प्रशासन के प्रति जताया आभार

समिति के अध्यक्ष अशोक

चौधरी, महासचिव कुणाल आजमाना और कोषाध्यक्ष प्रकाश धेलिया के नेतृत्व में सफल हुए इस आयोजन को लेकर समिति ने सभी का आभार व्यक्त किया। समिति के प्रवक्ता प्रमोद सारस्वत और बादल सिंह ने जिला व पुलिस प्रशासन, रांची नगर निगम, जनप्रतिनिधियों, स्थानीय व्यापारियों, मीडिया जगत और श्रद्धालुओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रवक्ताओं ने कहा कि प्रशासन की मुस्तेदी, निगम की व्यवस्था, मीडिया के सकारात्मक सहयोग और कार्यकर्ताओं की निष्ठा के कारण ही यह तीसरा दुर्गोत्सव ऐतिहासिक बन सका। समिति ने मां भगवती से समस्त राज्यवासियों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की मंगलकामना की। इस अवसर पर समिति के सैकड़ों पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

विजयादशमी पर हजारीबाग जिला मारवाड़ी सम्मेलन नारी शक्ति ने किया सिंदूर खेला का आयोजन



बिभा संवाददाता

हजारीबाग। विजयादशमी के पावन अवसर पर हजारीबाग जिला मारवाड़ी सम्मेलन नारी शक्ति की ओर से मंगलवार को स्थानीय अग्रसेन भवन में सिंदूर खेला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ सिंदूर खेला की रस्म निभाई और एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर सुख, समृद्धि, सौभाग्य एवं खुशहाली की कामना की। सिंदूर खेला के दौरान महिलाओं में विशेष उत्साह और उमंग देखने को मिला। पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने मां दुर्गा के प्रति अपनी श्रद्धा और भक्ति प्रकट की। पूरे आयोजन में भक्ति, उल्लास और आपसी सौहार्द का माहौल बना रहा।

श्री रामकृष्ण शारदा आश्रम में धूमधाम से हुई मां दुर्गा की विदाई, विद्यालय परिसर के जलाशय में किया गया मूर्ति विसर्जन

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : श्री रामकृष्ण शारदा आश्रम में विजयादशमी के पावन अवसर पर मां दुर्गा की विदाई धूमधाम और श्रद्धा-भक्ति के साथ की गई। इस दौरान आश्रम परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा।पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा को भावपूर्ण विदाई दी और अगले वर्ष पुनः आगमन की कामना की।मां दुर्गा की विदाई के अवसर पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। मां के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। भक्तों ने मां दुर्गा से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली बनाए रखने की प्रार्थना की।मां दुर्गा की पूजा-अर्चना और विदाई की धार्मिक परंपराओं के निर्वहन के बाद विद्यालय परिसर में ही बने जलाशय में मां दुर्गा की



प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस प्रकार परिसर के जलाशय में ही विसर्जन की व्यवस्था की गई। श्रद्धालुओं ने नम आंखों से मां को विदाई दी और अगले वर्ष फिर से मां के आगमन की कामना की। शास्त्रीय नवरात्र के दौरान मां दुर्गा की आराधना के बाद विजयादशमी पर विदाई के साथ ही पूजा उत्सव का समापन हुआ। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा से सभी के जीवन में सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली बनाए रखने की प्रार्थना की।

महानवमी पर हजारीबाग जिला मारवाड़ी सम्मेलन नारी शक्ति ने आर्ष कन्या विद्यालय में बच्चों को कराया भोजन



अर्चना करने की परंपरा रही है। इसी भावना के अनुरूप सम्मेलन की नारी शक्ति शाखा ने इस पुनीत सेवा कार्य का आयोजन किया।कार्यक्रम में हजारीबाग जिला मारवाड़ी सम्मेलन की नारी शक्ति शाखा की सदस्याओं सहित सम्मेलन के पुरुष सदस्यों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी सदस्यों ने मिलकर बच्चों को भोजन कराया तथा फल और उपहार देकर उनके साथ खुशियां साझा कीं। सदस्यों की सामूहिक

होता है, जब हम अपनी खुशियों को जरूरतमंदों एवं बच्चों के साथ साझा करें। बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाना और उनके साथ स्नेह के कुछ पल बिताना ही इस प्रकार के आयोजनों की सबसे बड़ी उपलब्धि है।ऐसे सेवा कार्य समाज में आपसी सद्भाव, मानवीय संवेदना और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं।हजारीबाग जिला मारवाड़ी सम्मेलन की नारी शक्ति शाखा ने इस आयोजन के माध्यम से यह संदेश दिया कि धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक सेवा भी हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है। सम्मेलन भविष्य में भी सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सेवा से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करता रहेगा।कार्यक्रम का समापन माता रानी के जयकारों एवं बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना के साथ हुआ।

झारखंड हॉकी के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि: राष्ट्रीय कैपों के लिए एक साथ 8 खिलाड़ियों का चयन

बिभा संवाददाता

रांची: झारखंड में हॉकी प्रतिभाओं का परचम एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर लहराया है। हॉकी इंडिया द्वारा घोषित विभिन्न राष्ट्रीय कोचिंग कैपों के लिए राज्य के आठ खिलाड़ियों का एक साथ चयन किया गया है। इनमें सीनियर महिला राष्ट्रीय कैप के लिए पांच, सब-जूनियर महिला कैप के लिए दो तथा सब-जूनियर पुरुष कैप के लिए एक खिलाड़ी शामिल हैं। सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग कैप का आयोजन 26 अक्टूबर से 10 नवंबर 2026 तक भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) सेंटर, बेंगलुरु में होगा। देशभर से चुनी गई 30 शीर्ष खिलाड़ियों में झारखंड की सलीमा टेटे, निक्की प्रधान, संगीता कुमारी, दीपिका सोरेन और ज्योती डुंगडुंग शामिल हैं। सभी को 26 अक्टूबर की शाम तक कैप में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया है। दिसंबर में काहिरा (मिस्र) में

आयोजित होने वाले एफआईएच यूथ हॉकी5एस विश्व कप की तैयारियों के लिए अगर मां 10 नवंबर से 3 दिसंबर तक लगाने वाले सब-जूनियर महिला कैप में झारखंड की खिली कुमारी और सदीपा कुमारी को चुना गया है। वहीं, 10 नवंबर से 3 दिसंबर तक चंडीगढ़ में आयोजित होने वाले सब-जूनियर पुरुष कैप के लिए राज्य के आशीष तानी पूर्ति का चयन हुआ है। एक साथ आठ खिलाड़ियों के चयन पर हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह, महासचिव मनोज कुमार प्रसाद (मनोज कोनबेगी), कोषाध्यक्ष असरीता लकड़ा, संयुक्त सचिव सुरजीत झा तथा झारखंड राज्य कुश्ती संघ के महासचिव रजनीश कुमार समेत खेल जगत से जुड़े तमाम पदाधिकारियों ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आस्था के सैलाब में कब तक गुम होती रहेगी जिंदगियां?



ललित गर्ग

साथ ही यह मान लेना भी उचित नहीं कि हर भगदड़ का कारण केवल प्रशासनिक विफलता है। कई बार अफवाह, धक्का-मुक्की, अचानक आगे बढ़ने की प्रवृत्ति और दूसरों की सुरक्षा की चिंता किए बिना स्वयं निकलने की कोशिश भी स्थिति को भयावह बना देती है। इसलिए आम नागरिकों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है।



यापित करना नहीं, बल्कि ऐसी परिस्थिति पैदा होने से पहले रोकेना है, जिनमें नागरिकों को अपनी जान गंवानी पड़े। मृत्यु के बाद मुआजजा देने शासन का मानवीय दायित्व है, लेकिन मृत्यु से पहले सुरक्षा सुनिश्चित करना उसका अनिवार्य कर्तव्य है।¹ धार्मिक आयेजनों की भयत्ता और लोकप्रियता के साथ एक अस्वस्थ प्रतिस्थापी भी बढ़ती दिखाई देती है। विशाल अंधा, आकर्षक सजावट, भव्य प्रतिमाएँ, रोशनी, प्रचार और पंजाबाधिक श्रद्धालुओं की उपस्थिति को आयेजनों की सफलता का पैमाना मान लिया जाता है। लेकिन क्या किसी आयेजनों की सफलता का मूल्यभक्त केवल वहाँ उड़ने वाला भीड़ से होना चाहिए? क्या आयेजनों और समितियों को यह नहीं समझना चाहिए कि श्रद्धालुओं की संख्या जितनी अधिक होगी, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी होगी? संकरी गलियों, सीमित निकास द्वारों, अवरुद्ध रास्तों और अपर्याप्त सुरक्षा व्यवस्थाओं के बीच हजारों लोगों को प्रवेश देने का उम्मीद की सफलता नहीं, बल्कि एक संभावित त्रासदी को आमंत्रण देने है।

कोलकाता की घटना ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि भीड़ प्रबंधन कोई औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन रक्षा की अनिवार्य व्यवस्था है। किसी भी बड़े धार्मिक आयोजन से पहले स्थल की क्षमता का वैज्ञानिक आकलन होना चाहिए। प्रवेश और निकास के रास्ते अलग-अलग तथा पर्याप्त चौड़े हों, आपातकालीन निकास स्पष्ट रूप से चिह्नित हों, भीड़ की आवाजवाही एक दिशा में नियंत्रित की जाए और प्रशिक्षित कर्मियों को पर्याप्त तैनाती हो। सीसीटीवी, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, चिकित्सा सहायता, एंबुलेंस तथा अग्निशमन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बारिश, बिजली बाधित होने, अचानक अफवाह फैलने या किसी अप्रत्याशित घोरणा

से भीड़ का व्यवहार बदल सकता है। इसलिए हर आयोगजन से आपातकालीन योजना, नियमित अन्व्यास और त्वरित प्रतिक्रिया की व्यवस्था होनी चाहिए। सुरक्षा की तैयारी हरिसे के बाद नहीं, आयोगजन की योजना बनाते समय शुरू होनी चाहिए। इस पूरे परिदृश्य में प्रशासन की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन को केवल अनुमति जारी करने अथवा आयोगजन के दौरान औपचारिक निरीक्षण करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। अनुमति से पहले स्थल का निरीक्षण, भीड़ की संभावित संख्या का आकलन, सुरक्षा मानकों की जांच और निकास मार्गों की उपलब्धता का सत्यापन अनिवार्य होना चाहिए। निर्यात क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश देने पर तत्काल रोक लगाई जाए। नियमों का उल्लंघन करने वाले आयोजकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो और यदि जाल में अधिकारियों की लापरवाही सामने आए, तो उनकी जवाबदेही भी तय की जाए। किसी समिति का प्रभाव, किसी आयोजक की प्रतिष्ठा या किसी उत्सव की लोकप्रियता कानून और नागरिक सुरक्षा से ऊपर नहीं हो सकती। जातिवाद के बिना सुरक्षा केवल कागजी घोषणा बनकर रह जाना है।

साथ ही यह मान लेना भी उचित नहीं कि हर भागदड़ का कारण केवल प्रशासनिक विफलता है। कई बार अफवाह, धोका-मुझी, अचानक आगे बढ़ने की प्रवृत्ति और दूसरों की सुझावों की चिंता किए बिना स्वयं निकलने की कोशिश भी स्थिति को भयावह बना देती है। इसलिए आम नागरिकों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। धार्मिक स्थल पर पहुँचकर संभ्रम भाव रखना, निर्धारित मार्गों का पालन करना, धड़ना न देना, बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना तथा आधिकारिक निर्देशों को सुनना आवश्यक है। यदि भीड़ असामान्य रूप से

नहीं हो जाए, तो आगे बढ़ने की जिद करने के बजाय सुरक्षित स्थान पर रुकना और निर्देशों का पालन करना चाहिए। आयोजकों को भी श्रद्धालुओं के बीच जागरूकता फैलानी चाहिए कि भक्ति का अर्थ अव्यवस्था नहीं, बल्कि अनुशासन और दूसरों के जीवन के प्रति सम्मान है। हमारे धर्म और संस्कृति का मूल संदेश करुणा, अहिंसा, सेवा और जीवन के प्रति आदर है। पूजा-पाठ का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक है, जब हमारी आस्था मानवता की रक्षा का मध्यम बने। यदि किसी धार्मिक आयोजन में सुरक्षा की अनदेखी होती है, तो वह केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि उन मूल्यों से विचलन है जो हैं, जिनका उत्सव माना जा दावा किया जाता है। देवी की आराधना करने वाले समाज को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि किसी श्रद्धालु को जाना अव्यवस्था के कारण न जाए। श्रद्धा का अर्थ आँखें बंद करके भीड़ का हिस्सा बन जाना नहीं, बल्कि विवेक, संयम और जिम्मेदारी के साथ अपने धर्म का निर्वाह करना है। अब समय आ गया है कि हर ऐसी त्रासदी को एक स्वतंत्र कारण, स्पष्ट जवाबदेही और ठोस सुधार से जोड़ा जाए। जांच रिपोर्ट सार्वजनिक हो, दोषियों पर समयबद्ध कार्रवाई हो और भविष्य के आयोजनों के लिए लातू किंग जॉन वाले सुरक्षा मानकों की नियमित समीक्षा हो। केंद्र और राज्य सरकारों को बड़े धार्मिक आयोजनों के लिए एक समान न्यूनतम सुरक्षा मानक विकसित करने चाहिए। आयोजक समितियाँ, प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य सेवाओं और स्वयंसेवकों के बीच समन्वय को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। इन व्यवस्थाओं का पालन केवल कागजों में नहीं, जमीन पर दिखाई देना चाहिए। कोलकाता की त्रासदी को चेतावनी दे रही है कि उत्सव की चमक के पीछे छिपी लापरवाही कभी भी अंधकार बनकर उतर सकती है। मृतकों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि केवल शोक व्यक्त करना या उनके परिवारों को सहायता देना नहीं, बल्कि एक संकल्प लेना है कि ऐसी दुर्घटनाएँ दोबारा न हों। सरकार जागे, प्रशासन अपनी जिम्मेदारी समझे, आयोजक अपनी प्रतिष्ठा से पहले लोगों की सुरक्षा को रखें और नागरिक अपनी आस्था के साथ विवेक को भी स्थान दें। आखिर कितने हादसों के बाद हम सीखेंगे? कितने परिवारों के उजड़ने के बाद हमारा व्यवस्थापन बदलेगा? और कितनी जिंदगियों को कीमत पर हम समझेंगे कि कोई भी उत्सव, कोई भी आयोजन और कोई भी धार्मिक आस्था मनुष्य के जीवन से बड़ी नहीं हो सकती। आस्था का सच्चा सम्मान तभी होगा, जब हर श्रद्धालु उत्सव में सुरक्षित प्रवेश करे और सकुशल अपने घर लौटे।

संपादकीय

यूरोप में बवाल

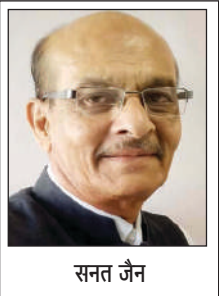
फ्रांस में स्कूलों को शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग को लेकर शुरू हुआ आंदोलन धीरे-धीरे आगजनी और मॉल व महंगे स्टोर्स में लूट तक जा पहुंचा है। निस्संदेह, कथित वैश्वीकरण और उद्यमीकरण के चलते वैश्विक स्तर पर उज्जी आर्थिक विषमता ने अमीरी-गरीबी को खाई को और गहरा किया है। एक ओर जहां व्यापार के केंद्र बने अभिजात्य वर्ग के स्कूल-कॉलेज व विश्वविद्यालय फल-फूल रहे हैं, वहीं सरकारी अनुदान से चलने वाले शिक्षण संस्थानों की बदहाली जगजाही रही है। यह विषमता विश्वव्यापी है और आक्रोश भी। दरअसल, लोकतांत्रिक सरकारों की जो परंपरागत कल्याणकारी नीतियों की अवधारणा थी, वह नये आर्थिक दौर में मुनाफे पर आधारित वैश्वीकरण में तब्दील होती गई। राजनेतों और व सत्ता से जुड़े लोगों की शैक्षणिक संस्थाओं के मुनाफे में भागीदारी ने स्थितियों को विषम बनाया है। हालांकि, सत्ताधीशों को विलासिता में कोई कमी नहीं आई, लेकिन आम जनता चौरपाया आर्थिक दबावों से जूझ रही है। सबसे पहले एक सदी बाद आई कोरोना की महामारी ने विश्व आपूर्ति श्रृंखला को तो बाँधित किया ही, सैकड़ों किस्म के रोजगारों को भी खत्म किया। जैसे-तैसे एक साल बाद उस आर्थिक संकट से दुनिया उबरने की कोशिश में थी कि युद्ध ने सब चौपट कर दिया। दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को पहले रूस-यूक्रेन युद्ध ने बुरी तरह प्रभावित किया। फिर इस्त्राएल-हमास संघर्ष ने इस संकट को बढ़ाया। इसके उपरांत अमेरिका द्वारा ईरान पर थोपे गये युद्ध ने पूरी दुनिया में ईंधन संकट खड़ा कर दिया। दुनिया के देशों के बजट चरमोपर और लोक कल्याण से जुड़ी संस्थाएं और योजनाएं हाशिये पर आ गईं। वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाँधित होने से ईंधन के दामों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई और महंगाई कुलांच भरने लगे। जो कालांतर सामाजिक अस्तोषता की वाहक बनी। निस्संदेह, सुनहरे सपने लेकर आगे बढ़ रही युवा पीढ़ी की आशाओं पर इस संकट ने तुषारपात किया। शिक्षा व्यवस्था महंगी हुई और रोजगार के अवसर सिमटते गए। निस्संदेह, दुनिया की महाशक्तियों की निरंकुश व निर्गम नीतियों ने पूरी दुनिया में लोगों के जीवन को कष्टकारी बनाया है। इसीलिए भविष्य की आशाकाओं ने युवाओं को आक्रोशित किया है। दरअसल, यूरोप के जिन तमाम देशों में पिछलाहल आक्रोश की लपटें दिखायी दे रही हैं, उनके मुनाफे में सिर्फ युवाओं का गुस्सा ही नहीं है।

चिंतन-मनन

अंदर से खूबसूरत बनिये संसार आपकी पूजा करेगा

स्मृत दिखने के लिए लोग क्या नहीं करते ब्यूटी पालर जाते हैं, महो प्रोम पाउडर और ब्यूटी डिप्स को आमतौर पर हैं। सारे आयक करने के बावजूद बततीं उस की निशानियों को उस की एक सीमा तक ही छिपा सकते हैं। अंदर में खुबसूरती दल जाती है और जिस सुन्दरता पर लोग नाज करते हैं वह लोगो सें दगा कर जाती है। इसलिए संतो और ज्ञानियों ने कहा कि रूप के धन पर इतराना नहीं चाहिए। सबसे उमम धन ज्ञान है और इसकी सुन्दरता दिन ब दिन बढ़ती जाती है। इसलिए बाहरी सुन्दरता को संभारने पर समय नष्ट करने की बजाय अंदर की सुन्दरता को निखारने का प्रयास करना चाहिए। व्यवहारिक जीवन में आपने देखा होगा कि किसी की सुन्दरता को देखकर आपका मन चाहता होगा कि बार-बार उसे देखें। लेकिन जब आप उस रूपवान व्यक्त को पास पहुंचते हैं उसके व्यक्तित्व को करीब से जानते हैं तो उससे नफरत होने लगती है। इसके विपरीत किसी कुरूप व्यक्त को जब आप जानने लगते हैं उसके अंदर के गुण को समझने लगते हैं तो उस कुरूप व्यक्त के प्रति लगाव और स्नेह बढ जाता है। देवी सीता के पिता महाराजा जनक के दरबार में हुई एक घटना इस सच में उल्लेखनीय है। इनके शासन का अश्वपुत्र नामक एक विद्वान् है। अपने नाम के समान अश्वपुत्र का पूरा शरीर टैड्ड मेढ्रा था। एक बार यह महाराजा जनक की सभा में पहुंचे। उच्चे आसन पर बैठे सभापद अश्वपुत्र को देखकर हम्मेने लगे। महाराज जनक ने देखा कि सामने से अश्वपुत्र पधार रहे हैं। इन्हें देखकर ही सभासद हंस रहे हैं।

महाराज जनक अपने सिंहासन से उतरकर अश्वपुत्र के पास पहुंचे। इन्हें आदर पूर्वक लखकर अपने सिंहासन पर बैठया और सभापदों से कहा कि महत्मा अश्वपुत्र के चरण होने हेतु जल लेकर आएँ। महाराज ने स्वयं अपने हाथों से अश्वपुत्र की सेवा की और सभासदों से कहा कि आप सब मूर्ख हैं जो बाहरी सौन्दर्य को पहचानते हैं। असली सौन्दर्य को आपने जाना ही नहीं। असली सुन्दरता ज्ञान है जो महत्मा अश्वपुत्र के पास है। यह मेरे गुरु के समान हैं। सभासदों को सिर नीचे झुक गया। अश्वपुत्र ने काई काव्य लिखे हैं। इन्होंने गीता की भी रचना की है जो अश्वपुत्र गीता के नाम से विख्यात है।



सनत जैन

गुजरात की साबरमती जेल की हाई सिक्वियोरिटी सेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का कथित अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क भारत की कानून व्यवस्था, जेल प्रशासन और सुसूक्ष्म जाँचसिमाओं की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यदि जेल की चारदीवारी के भीतर बंद कोई अपराधी देश-विदेश में बैठे अपराध गुणों के माध्यम से धमकियाँ दिलावा सकता है, सुपारी देकर हत्याओं की साजिश रच सकता है और फ़िल्मी सितारों को निशाना बनाने की योजना बना सकता है, तो जेल केवल एक गैंगस्टर का नहीं, बल्कि पूरे सुसूत्रात तंत्र की प्रभावशालीता का है। फ़िल्म अभिनेता दाइग्रा श्राॅफ़ पर कथित हमले के बाद साबरमती



सौरभ वाष्ण्य

वैश्विक अर्थव्यवस्था में बदलते समीकरणों के बीच भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर सामने आए संकरात्मक संकेत दोनों देशों के आर्थिक और राजनीतिक संबंधों के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का यह कहना कि समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अब कुछ ही मुद्दों पर काम बाकी है और जल्द ही इसकी घोषणा हो सकती है, इस दिशा में आगे बढ़ती बातचीत का संकेत देता है। हालांकि, किसी भी समझौते की वास्तविक सफलता केवल उसकी घोषणा या हस्ताक्षर से नहीं, बल्कि उससे मिलने वाले आर्थिक लाभ, व्यापारिक संतुलन और राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा से तय होती है। इसलिए भारत को इस समझौते की संभावनाओं के साथ-साथ उसकी चुनौतियों पर भी गंभीरता से विचार करना होगा। भारत और अमेरिका के बीच पिछले कुछ वर्षों में अनेक क्षेत्रों में निर्यातारत हुए हैं। रक्षा, ऊर्जा, तकनीक, शिक्षा, निवेश और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति जैसे विषयों पर दोनों देश लगातार सहयोग बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में व्यापार समझौते को लेकर बनी समझौते की संभावना आर्थिक संबंधों को नई गति दे सकती है। लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि भारत और अमेरिका की आर्थिक प्राथमिकताएँ, औद्योगिक संरचना और घरेलू बाजार की आवश्यकताएँ एक-दूसरे से अलग हैं। इसलिए समझौते की दिशा में आगे बढ़ते हुए दोनों पक्षों को ऐसा संतुलन बनाएँ होना, जिससे सहयोग बढ़े और किसी एक देश के हित दूसरे की कीमत पर प्रभावित न हों। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने मुंबई में पत्रकारों से बातचीत के दौरान संकेत दिया कि भारत और

आई जानकारीयों में आमिर खान, सलामन खान, अमिताभ बच्चन और अश्वय कुमार सहित कई फ़िल्मी सितारों की रेकी किए जाने के आरोपों ने मोनोरंजन जगत में चिंता बढ़ा दी है। दिव्ने गुलाम द्वारा चार लोगों की गिरफ्तारी और उनसे पूछताछ में सामने आए कथित नेटवर्क की जानकारी मामले की गंभीरता को रेखांकित करती है। हालाँकि, इन आरोपों और विभिन्न व्यक्तियों की भूमिका की पुष्टि जांच तथा न्यायिक प्रक्रिया से होना आवश्यक है। जांच से संबंधित दावों में लॉरेंस बिस्नोई गिरह के पांच प्रमुख हैंडलरों और करीब 700 गुप्तों के नेटवर्क का उल्लेख किया जा रहा है। अमेरिका, कनाडा और यूरोप में बैठे कथित सहयोगियों की भूमिका भी जांच के दायरे में बर्नाई जा रही है। टायसन बिस्नोई, अनिल पंडित, हरि बॉक्सर, हरमन संधु और हिमांशु शर्मा सोनीनोट जैसे नामों को नेटवर्क से जोड़कर देखा जा रहा है। आरोप है कि गिरह गए सदस्यों की प्रवीं, हथियारों की व्यवस्था, जबरन वसूली, वित्तीय प्रबंधन और सोशल मीडिया के जरिए धमकियाँ फैलाने जैसे काम संगठित तरीके से करता है। संगठित अपराध अब केवल स्थानीय गिरहों तक सीमित नहीं है। डिजिटल संचार, विदेशों में मौजूद सहयोगियों और कथित वित्तीय नेटवर्क के सहारे अपराधी सीमाओं से परे जाकर गतिविधियाँ संचालित करने की कोशिश कर रहे हैं।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता: आर्थिक सहयोग, रणनीतिक साझेदारी और राष्ट्रीय हितों की कसौटी

अमेरिका प्रस्तावित व्यापार समझौते के काफी करीब पहुंच चुके हैं। उनके अनुसार, कुछ मुद्दों पर काम बाकी है और जल्द औपचारिक घोषणा की उम्मीद की जा सकती है। इससे पहले भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल भी समझौते के पहले चरण को शीघ्र अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद जता चुके हैं। इन बयानों से स्पष्ट होता है कि दोनों देशों के बीच बातचीत को आगे बढ़ाने की रणनीतिक और कूचीनितक ३५४ मौजूद है। फिर भी, जब तक समझौते की शर्तों, दायरे और सम्यसीमा को लेकर आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आती, तब तक इसके संभावित परिणामों के बारे में अंतिम निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा।

व्यापार समझौते का उद्देश्य सामान्यतः वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को आसान बनाना, शुल्क संबंधी बाधाओं को कम करना, निवेश को प्रोत्साहित करना तथा कारोबारियों के लिए बाजार तक पहुंच बेहतर बनाना होता है। भारत और अमेरिका के बीच ऐसा सहयोग मजबूत होता है तो भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में अधिक अवसर मिल सकते हैं। दूसरी ओर, अमेरिकी कंपनियों को भी भारत के विशाल उपभोक्ता बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाने का अवसर मिलेगा।

लेकिन संसद यह है कि इन अवसरों का लाभ किसे और कितना मिलेगा? क्या भारतीय छोटे और मध्यम उद्योगों को भी इससे फायदा पहुंचेगा, या लाभ मुख्य रूप से बड़ी कंपनियों तक सीमित रह जाएगा? समझौते का मूल्यांकन इन प्रश्नों के आधार पर होना चाहिए। अमेरिका दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और उसका बाजार भारतीय उत्पादों तथा सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण संभावनाएं रखता है। कपड़ा, परिधान, औषधि, इंजीनियरिंग उत्पाद, रत्न एवं आभूषण, सूचना प्रौद्योगिकी और अन्य सेवा क्षेत्रों में भारतीय कंपनियों अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुकी है। अनुकूल व्यापारिक शर्तें इन क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ा सकती हैं। यही भारतीय उत्पादों को अमेरिकी बाजार में बेहतर पहुंच मिलती है, तो निर्यात में वृद्धि की संभावना बेगनी। इससे उत्पादन बढ़ सकता है, नई इकाइयों में निवेश आकर्षित हो सकता है और रोजगारवादी क्षेत्र के अतिरिक्त अवसर पैदा हो सकते हैं। विशेष रूप से श्रम आधारित उद्योगों के लिए विदेशी बाजारों का विस्तार महत्वपूर्ण है, क्योंकि इन क्षेत्रों में उत्पादन और

लॉरिस बिश्नोई वर्ष 2015 से जेल में है। वह 2023 से साबरमती जेल में बंद है। इसके बावजूद उसके नाम से जुड़ी अपराधिक गतिविधियों और धमकियों के लगातार सामने आने की खबरें सुर्खा व्यवस्था की समीक्षा की मांग करती हैं। जेलों में मोबाइल फोन मिलने, प्रतिबंधित सुविधाओं के इस्तेमाल और कैदियों के वीडियो वायरल होने जैसी घटनाएँ भी चिंता बढ़ाती हैं। मूल प्रश्न है कि जेल में बंद किसी व्यक्ति के निर्देशों बाहर तक कैसे पहुंचते हैं? क्या जेलों में संचार व्यवस्था की निगरानी पर्याप्त है? क्या जेल कर्मचारियों, बाहरी सहयोगियों और अवैध वित्तीय लेन-देन की प्रभावी जांच होती है? इन सवालों के जवाब तथ्यों और निष्कर्षों के आधार पर सामने आते हैं। जब किसी गिरफ्तारी की गतिविधियों के तार अमेरिका, कनाडा और यूरोप तक जुड़ने के आरोप सामने आते हैं, तब मामला केवल भारत की आंतरिक सुरक्षा तक सीमित नहीं रहता। विदेशों में रहने वाले भारतीय नागरिकों, कर्मचारीयों और सार्वजनिक हस्तियों को सुरक्षा भी महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे मामलों में संबंधित देशों के साथ सुखिया सूचनाओं का आदान-प्रदान, प्रत्यर्पण प्रक्रिया, वित्तीय लेन-देन की निगरानी और संयुक्त जांचों निर्णयों साबित हो सकती हैं। अनमोल ब्रिक्सों की गिरफ्तारी और उसके विरुद्ध चल रही कानूनी प्रक्रियाओं

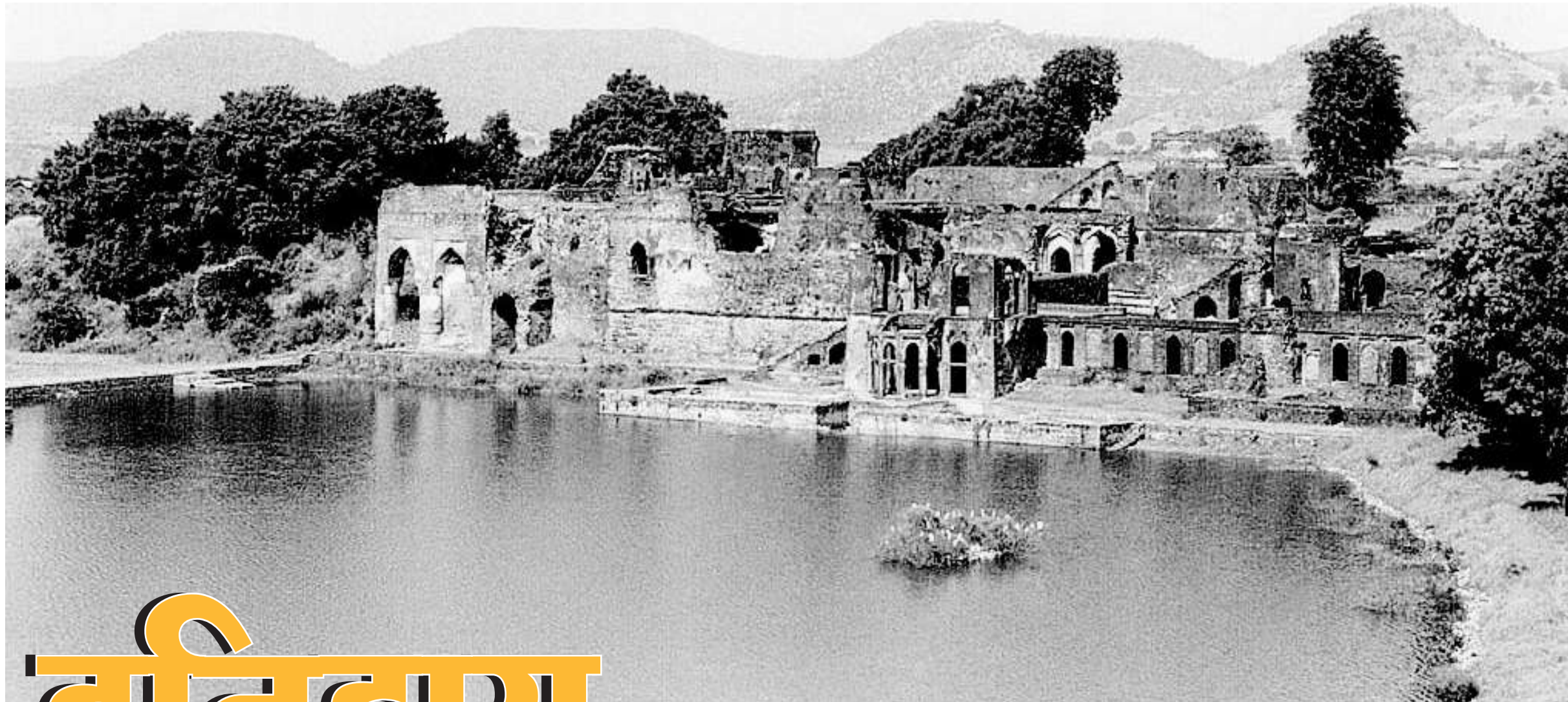
यथायतन की वृद्धि का सीधा संबंध रोजगार से हो सकता है। हालाँकि, केवल बाजार तक पहुँच मिलना पर्याप्त नहीं है। भारतीय उद्योगों को गुणवत्ता, लागत, मिलावटी दवात, समय पर आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उत्पादन की चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है। सरकार को व्यापार समझौते के साथ-साथ घरेलू उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाने पर भी ध्यान देना होगा। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को सस्ता ऋण, आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण, बेहतर लॉजिस्टिक्स और निर्यात संबंधों की इन उपलब्धताओं से वंचित रहना है। यदि छोटे उद्यमों को इन सुविधाओं से काफ़ी खराब गयी, तो अंतरराष्ट्रीय व्यापार के नए अवसरों का लाभ बड़े कारोबारियों तक सीमित रहने की आशंका बनी रहेगी। भारत और अमेरिका के बीच किसी भी व्यापार समझौते का सबसे संवेदनशील पक्ष कृषि और खाद्य क्षेत्र हो सकता है। भारत में कृषि केवल आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों की आजीविका का आधार है। फसलों और सीमांत किसानों की आय, उत्पादन लागत, छेड़ोटे के उच्च मूल्य तथा ग्रामीण रोजगार जैसे प्रमुख देश की सामाजिक और आर्थिक स्थिरता से जुड़े हैं। अमेरिका में कृषि उत्पादन का बड़ा हिस्सा आधुनिक तकनीकी, व्यापक कृषि भूमि और विभिन्न प्रकार की सस्ती सहायता से जुड़ा है। ऐसी परिस्थितियों में दोनों देशों के कृषि उत्पादकों की लागत और प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति अलग हो सकती है। यदि किसी समझौते के तहत संवेदनशील कृषि उत्पादों के आयात पर बाधाएँ कम की जाती हैं, तो भारतीय किसानों पर प्रतिस्पर्धात्मक दबाव बढ़ने की आशंका का मूल्यांकन करना आवश्यक होगा। इसका अर्थ यह नहीं कि कृषि व्यापार को पूरी तरह सीमित कर दिया जाए। कृषि उत्पादों का व्यापार दोनों देशों के लिए अवसर पैदा कर सकता है। लेकिन भारत को खाद्य सुरक्षा, किसानों की आजीविका और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के हितों को ध्यान में रखकर ही नियंत्रण लेना चाहिए। संवेदनशील उत्पादों के संबंध में पर्याप्त सुरक्षा उपाय, स्पष्ट नियम और घरेलू उत्पादकों के हितों की रक्षा आवश्यक है।

सरकार की जिम्मेदारी है कि वह आर्थिक लाभ और सामाजिक दायित्व के बीच संतुलन बनाए। व्यापार समझौता ऐसा नहीं होना चाहिए, जिससे निर्यात बढ़ने की उम्मीद में घरेलू किसानों और छोटे उत्पादकों की

बचपूँ जयद गिराह को मर्तिवधियां जारी रहने के आशय से है, तो एजेंसियों को यह पता लगाना होगा कि नेटवर्क का संचनात्मक किन माध्यमों से हो रहा है और उसकी आर्थिक ताकत कितनी से आती है। लोकतंत्र में किसी भी सरकार की जिम्मेदारी केवल अपराधियों को गिरफ्तार करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है, वह जेल में रहते हुए अपराध का संचालन न कर सके। यदि पुलिस मुझ जैसे चूक, भ्रष्टाचार, अंधेरे संचार या प्रशासनिक लापरवाही सामने आती है, तो जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। आखिर वह कौन-सी व्यवस्था है, जिसमें जेल की सलाखों इसी अपराधी के हाथों को बंद नहीं करा पा रही हैं? दूसरा जवाब बयानबाजी से नहीं, बल्कि पारदर्शी जांच, ठोस सबूतों और प्रभावी कार्रवाई से मिलेगा। फिल्मी सितारों को सुरक्षा से लेकर आम नागरिकों के जीवन तक, कानून का शासन सर्वोपरि होना चाहिए। किसी अपराधी का भय उसकी वास्तविक शक्ति से अधिक इसलिए नहीं बढ़ना चाहिए कि व्यस्थता उसके नेटवर्क को तोड़ने में असफल दिखाई दे। भारत की सुरक्षा एजेंसियों के सामने अब चुनौती केवल लॉस बिशनोई जैसे गैंगस्टर्स को नियंत्रित करने की नहीं, बल्कि संगठित अपराध के उस पूरे तंत्र को ध्वस्त करने की है, जो जेल की दीवारों पर बाहर आये पहुँच बनाए रखने का दावा करता है।

मिताओं को नजरअंदाज कर दिया जाए।
मार्को रबियो और विदेशी मंत्री एस. जयशंकर को बैठक में ऊर्जा, मृदा, रक्षा सहयोग और रणनीतिक साझेदारी जैसे विषयों पर चर्चा हुई। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भी रक्षा, ऊर्जा, तकनीक और व्यापार सहित विभिन्न क्षेत्रों में बराचीत को महत्वपूर्ण बताया। यह तथ्य रेखांकित करता है कि भारत-अमेरिका संबंध केवल व्यापार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि व्यापक रणनीतिक महत्व रखते हैं।
भारत की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को देखते हुए ऊर्जा क्षेत्र में सहयोगी महत्वपूर्ण है। विभिन्न स्रोतों से ऊर्जा को उपलब्धता, तकनीकी सहयोग और आधुनिक व्यवस्था को मजबूत करना भारत की दीर्घकालिक आर्थिक आवश्यकताओं से जुड़ा है। इसी प्रकार रक्षा क्षेत्र में सहयोग से आधुनिक तकनीक, उपकरणों के उत्पादन और औद्योगिक साझेदारी के अवसर बन सकते हैं।

तकनीक के क्षेत्र में सहयोग भी विशेष महत्व रखता है। डिजिटल सेवाओं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, साइबर सुरक्षा और उन्नत निर्माणों जैसे क्षेत्रों में साझेदारी भारत के विकास लक्ष्यों को समर्थन दे सकती है। हालाँकि, तकनीकी सहयोग के साथ डेटा सुरक्षा, बौद्धिक संपदा, घरेलू क्षमता निर्माण और तकनीकी आत्मनिर्भरता जैसे मुद्दों पर भी ध्यान देना होगा। भारत को किसी भी साझेदारी में अपनी स्वतंत्र नियंत्रण क्षमता बनाए रखते हुए सहयोग के अवसरों का उपयोग करना चाहिए। मजबूत अंतरराष्ट्रीय संबंधों का अर्थ बन सकता है किसी बड़े सहयोग के साथ निष्कटता नहीं, बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप स्वतंत्र और संतुलित नीति अपनाना भी है। व्यापार समझौते की घोषणा निश्चित रूप से सकारात्मक संकेत दे सकती है, लेकिन उसकी सफलता का अकाल ठोस परिणामों के आधार पर ही किया जाना चाहिए। क्या इससे भारतीय निर्यात में वास्तविक वृद्धि होगी? क्या निवेश बढ़ेगा? क्या रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे? क्या छोटे उद्योगों को लाभ मिलेगा? और क्या भारत अपने सेक्टरों की क्षमता को थपित सुरक्षा का पाएगा? ये वे प्रश्न हैं, जिनके उत्तर समझौते की शर्तों स्पष्ट होने के बाद ही मिल सकेंगे। सरकार को समझौते से संबंधित प्रमुख प्रावधानों को पारदर्शी तरीके से सामने लाना चाहिए।



इतिहास और प्रेम का शहर माण्डू

माण्डू को रचने-बसाने का प्रथम श्रेय परमार राजाओं को है। हर्ष, मुंज, सिंधु और राजा भोज इस वंश के महत्वपूर्ण शासक रहे हैं। किंतु इनका ध्यान माण्डू की अपेक्षा धार पर ज्यादा था, जो माण्डू से महज 30 किलोमीटर है। परमार वंश के अंतिम महत्वपूर्ण नरेश राजा भोज का ध्यान वास्तु की अपेक्षा साहित्य पर अधिक था और उनके समय संस्कृत के महत्वपूर्ण ग्रंथ लिखे गए। मांडू प्राचीन शहर है और इसका जिक्र 555 ईसवी के संस्कृत अभिलेखों में भी है। इन अभिलेखों से पता चलता है कि मांडू छठी शताब्दी का खूबसूरत शहर हुआ करता था। दसवीं और ग्यारहवीं शताब्दी में परमार वंश के शासकों ने इस पर अधिकार किया और इसका नाम मांडवगढ़ रखा। 13वीं शताब्दी में परमारों ने अपनी राजधानी धार से मांडू स्थानांतरित कर दी और इस शहर का महत्व बढ़ गया। 1305 में खिलजी वंश से पराजित होने के बाद परमारों का मांडू से आधिपत्य समाप्त हो गया। मध्य प्रदेश के 21 वर्ग किलोमीटर तक फैले पठार पर बना मांडू, प्रेम के शहर के रूप में भी याद किया जाता है। यह मध्य प्रदेश के विंध्य पर्वतमाला और दक्षिणी इंदौर के पश्चिम में बसा हुआ है।

मुगलों के साम्राज्य के पतन के बाद मालवा के अफगान गवर्नर दिलावर खान ने मांडू को स्वतंत्र राज्य के रूप में स्थापित किया। उन्होंने मांडू का नाम बदलकर सादियाबाद यानी खुशियों का नगर रखा। दिलावर खान गौरी के पुत्र हरशंग शाह ने मांडू का विकास किया और इसे संपन्न बनाया। यह युग मांडू का स्वर्णकाल कहा जाता है। इसके बाद कई मुगल शासकों ने मांडू पर राज किया फिर 1732 में मराठों ने इस पर अधिकार कर लिया।

अद्वितीय वास्तुशिल्प

सुल्तानों के काल में यहां महत्वपूर्ण निर्माण हुए। दिलावर खां गौरी ने इसका नाम बदलकर सादियाबाद (आनंद नगरी) रखा। होशंगशाह इस वंश का महत्वपूर्ण शासक था। मुहम्मद खिलजी ने मेवाड़ के राणा कुम्भा पर विजय के उपलक्ष्य में अशरफी महल से जोड़कर सात मंजिला विजय स्तंभ का निर्माण कराया (अब इसकी केवल एक ही मंजिल सलामत है)। हालांकि यह तथ्य विवादित है क्योंकि राणा कुम्भा ने भी मुहम्मद खिलजी पर विजय की स्मृति में चित्तौड़ के विश्व प्रसिद्ध विजय स्तंभ का निर्माण कराया था। आमतौर पर इतिहासकार मानते हैं कि राणा ने खिलजी को बंदी बनाया था और माफी पर उसे छोड़ा था। फिर भी फरिश्ता जैसे इतिहासकार मुहम्मद



खिलजी की वीरता की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हैं। वह लिखता है कि खिलजी हमेशा युद्ध में रहता है। अशरफी महल का निर्माण मंदरसे के तौर पर हुआ था और उसके कई कमरे आज भी काफी अच्छी अवस्था में हैं।

बाज बहादुर और रानी रूपमती की प्रेम कहानी

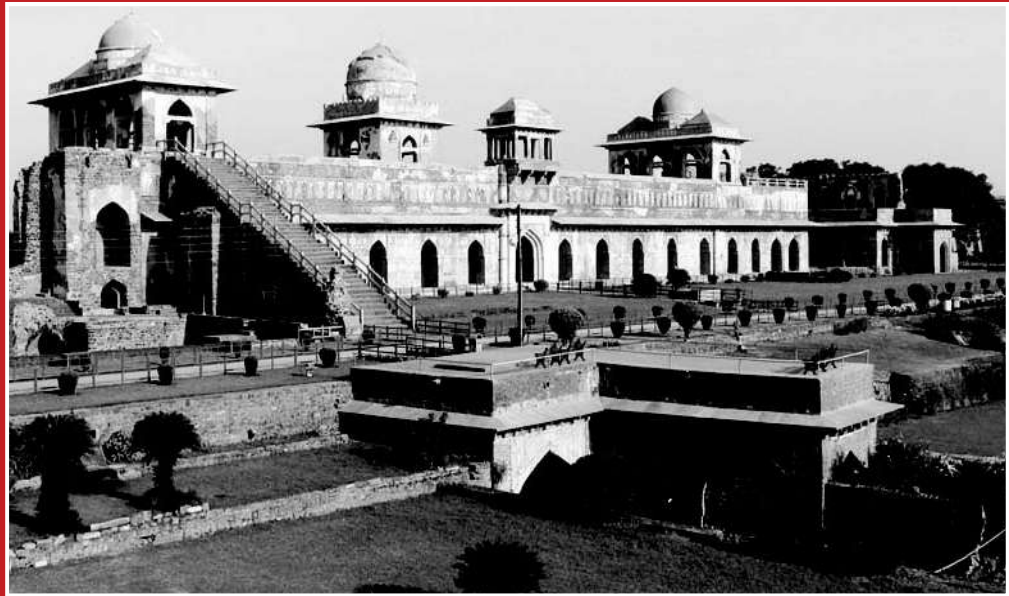
बाज बहादुर और रानी रूपमती की प्रेम कहानी की वजह से भी मांडू की अलग पहचान है। बाज बहादुर संगीतज्ञ थे जबकि रानी रूपमती गायिका थीं। वह रूपमती से गायिकी सीखना चाहते थे। कहा जाता है जब उन्होंने रानी रूपमती को जंगल में स्नान करते देखा तो उन पर फिदा हो गये। उन्होंने रूपमती को मांडू आने का न्यौता दिया लेकिन रूपमती नर्मदा नदी के दर्शन करके ही गाना गाती थीं। इसलिए बाज बहादुर ने उनका आश्रय ऐसे स्थान पर बनाया जहां से नर्मदा नदी को आसानी से देखा जा सके। दसवीं और ग्यारहवीं शताब्दी में इसका नाम मांडवगढ़ था लेकिन बाद में इस शहर को सादियाबाद के नाम से भी जाना गया। समुद्र तल से 2000 फीट की ऊंचाई पर बसा मांडू इतिहास और प्राकृतिक खूबसूरती के कारण प्रकृति प्रेमियों का स्वर्ग कहा जाता है। रूपमती के सौन्दर्य की चर्चा दूर-दूर तक फैल चुकी थी और इसी चर्चा से प्रभावित होकर अकबर ने मांडू पर आक्रमण कर दिया। इसकी भनक लगते ही रूपमती ने जहर खाकर अपनी जान दे दी। बाद में बाज बहादुर अकबर के दरबार में संगीतज्ञ बन गये।

आल्हा-ऊदल के वीरता की कहानी

आल्हा-ऊदल के बिना माण्डू का वर्णन अधूरा माना जाता है। आल्हाखण्ड में महाकवि जगनिक ने 52 लड़ाइयों का जिक्र किया है। उसमें पहली लड़ाई माड़ौगढ़ की मानी जाती है, जिसका साम्य इसी माण्डू से किया जाता है। इसलिए आल्हा गायकों के लिए माण्डू एक तीर्थस्थल सरीखा है। बुंदेलखंड के लोग यहां इस लड़ाई के अवशेष देखने आते हैं। राजा जम्बे का सिंहासन, आल्हा की सांग, सोनगढ़ का किला, जहां आल्हा के पिता और चाचा की खोपड़ियां टांगी गई थी और वह कोल्हू जिसमें दक्षराज-वक्षराज को करिगा ने पीस दिया था। ये सब आज भी आल्हा के मुरीदों को आकर्षित करते हैं। 'माण्डू सिटी ऑफ जॉय' के लेखक गुलाम यजदानी के अनुसार माण्डू के भवन रोमन, ग्रीक ईरानी, यूनानी, गैथिक, अफगान और हिंदू शैली से बने हैं। हिंदू शैली में बने भवन मुख्य हैं- हिण्डोला भवन, जामी मस्जिद, होशंगशाह का मकबरा आदि। पत्तियां, कमल के फूल, त्रिशूल, कलश, बंदनवार आदि इसके गवाह हैं। अफगान शैली में बने भवन हैं- रूपमती मण्डप, बाजबहादुर महल दरिया खां का मकबरा, जहाज महल आदि।

जहाज महल

जहाज महल माण्डू का सर्वाधिक चर्चित स्मारक है। वारों तरफ पानी से घिरे होने के कारण यह जहाज का दृश्य उपस्थित करता है। इसकी आकृति टी के आकार की है। इसका निर्माण परमार राजा मुंज के समय हुआ किंतु इसके सुदृढीकरण का श्रेय गयासुद्दीन खिलजी को है। माण्डू की सबसे बड़ी विशेषता इसकी अंतः भूगर्भीय संरचना है। माण्डू का फैलाव जितना ऊपर है उतना ही नीचे है। शत्रु के आक्रमण के समय यह भूगर्भीय रचना सुरक्षा का एक साधन भी थी। यह संरचना अपने निर्माण से आज भी विस्मृत करती है। धार व माण्डू के बीच बने 35 भवन एक अन्य आश्चर्यजनक निर्माण हैं। ये भवन इको प्वाइंट का काम करते थे। सुल्तान जब माण्डू से धार के लिए निकलता था तो इन्हीं भवनों से उसके आने की खबर दी जाती थी। माण्डू से कुछ दूरी पर बूढ़ी माण्डू स्थित है। इसे ऋषि माण्डव्य या माण्डवी के नाम पर सिद्धक्षेत्र कहा गया है।



क्या देखें

सोलहवीं शताब्दी में बाज बहादुर द्वारा बनाया गया महल यहां के प्रमुख दर्शनीय स्थलों में शामिल है। इस महल की विशेषता यह है कि यहां से चारों तरफ का बेहतरीन नजारा नजर आता है। महल मुगल और राजस्थानी शैली का मिश्रित रूप है। इसके अलावा, यहां रूपमती मंडप भी स्थित है, जिसे सेना द्वारा निगरानी रखने के लिए बनवाया गया था। मंडप किले के बिल्कुल किनारे पर बना है। यहां की खासियत यह है कि यहां से नर्मदा नदी और उसके मैदानों का सुंदर नजारा दिखाई पड़ता है। यहीं मंडप रानी रूपमती का आश्रय स्थल था। मांडू की सबसे प्रसिद्ध और आकर्षक इमारत जहाज महल है। यह बिल्कुल पानी के जहाज के आकार का बना है। इसकी लंबाई 120 मीटर और चौड़ाई 15 मीटर है। इस महल के पश्चिम और पूर्व में दो झीलें भी हैं। मुंज तालाब और कपूर तालाब नामक इन झीलों से घिरा यह महल ऐसा लगता है जैसे कोई जहाज बंदरगाह पर खड़ा हो। इस महल का निर्माण गयासुद्दीन खिलजी ने करवाया था। यहां पहलू की खड़ी ढाल पर नीलकंठ मंदिर स्थित है और आज भी श्रद्धालु यहां पूजा-अर्चना करते हैं। इसके अलावा, यहां हाथी महल, दरियाखान मकबरा, मांडू के 12 प्रवेश द्वार, हिंडोला महल, रीवा कुंड, चम्पा बावली, अशरफी महल, जैन मंदिर आदि ऐतिहासिक और दर्शनीय स्थल हैं, जिसे देखकर पर्यटक मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।

कब जाएं

मांडू घूमने के लिए मानसून से बेहतर मौसम और कोई हो ही नहीं सकता। जुलाई से अगस्त तक मांडू घूमने के लिए उपयुक्त समय है। इस दौरान यहां की हरियाली और पानी से भरे हुए जलाशय पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बारिश से धुल कर यहां की ऐतिहासिक इमारतें और भी साफ नजर आने लगती हैं।

कैसे पहुंचें

वायुमार्ग: मांडू जाने के लिए इंदौर नजदीकी एयरपोर्ट है। यह प्रमुख एयरलाइन्स द्वारा भोपाल, ग्वालियर, मुंबई, दिल्ली और जयपुर से जुड़ा है। इंदौर से मांडू की दूरी 99 किमी है। सड़क मार्ग से यहां तक पहुंचने में लगभग दो घंटे लगते हैं।

रेलमार्ग: यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन रतलाम और इंदौर है। यह इंदौर से 99 किमी. और रतलाम से 124 किमी. दूर है। इंदौर से मांडू बस या टैक्सी से भी पहुंच सकते हैं।

सड़क मार्ग : इंदौर मांडू मार्ग नियमित रूप से बस से जुड़ा हुआ है। भोपाल से भी मांडू के लिए बसें चलती हैं।

गोवा में सीजेपी के प्रदर्शन में हिंदुत्व मुर्दाबाद नारों पर एफआईआर

पणजी (एजेंसी)। गोवा में विपक्षी कॉंकोरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शन के दौरान मुर्दाबाद, मुर्दाबाद, हिंदुत्व मुर्दाबाद जैसे कथित हिंदू विरोधी नारे लगाने के आरोप में 300 प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पणजी पुलिस ने 11 अक्टूबर को हुए प्रदर्शन को लेकर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 196 और 299 के तहत मामला दर्ज किया है। पणजी के पुलिस इंस्पेक्टर विजयकुमार गोडनकर ने इसकी पुष्टि कर बताया कि इन नारों से धार्मिक असंतोष फैला और जानबूझकर हिंदू समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई गई। सीजेपी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रही थी। उनका आरोप है कि एसआईआर (एसआईआर) में हेराफेरी की गई है और देश की मतदाता सूची से नाम हटाए गए हैं। इस घटना पर गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कड़ी प्रतिक्रिया देकर कहा है कि राज्य में संप्रदायिक संझड़व बिगाड़ने के किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं होगी और घटना की जांच जारी है। तलेझाओ निवासी रामप्रसाद केलकर ने सोशल मीडिया पर वायरल हुए 11 अक्टूबर के विरोध प्रदर्शन के एक वीडियो के आधार पर एफआईआर दर्ज कराई। केलकर ने अपनी शिकायत में कहा कि सीजेपी को प्रदर्शन की अनुमति नहीं गोवा कलेक्टर द्वारा खारिज कर दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद प्रदर्शनकारियों ने हिंदू विरोधी नारे लगाए, जिससे समाज में शांति और सद्भाव भंग करने की कोशिश की गई। इसी प्रदर्शन के दौरान जिला प्रशासन की अनुमति न होने के बावजूद आजाद नुदान में घुसने पर पुलिस ने सात प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया था, जिन्हें बाद में बॉम्बे हाईकोर्ट में एक याचिका पर सुनवाई के बाद देर शाम रिहा कर दिया गया था।

राखी सावंत के खिलाफ गैर–जमानती वारंट : 16 साल पुराने मामले में मुश्किल बढ़ी

झांसी (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री राखी सावंत के लिए एक पुरानी मुश्किल फिर खड़ी हो गई है। झांसी की एक जिला अदालत ने उनके खिलाफ गैर–जमानती वारंट जारी किया है। यह मामला 16 साल पुराना है और एक इस तरह के व्यक्ति की कथित आत्महत्या से जुड़ा है, जो नवंबर 2010 में राखी सावंत के टीवी शो राखी का इसाफ में शामिल हुआ था। अदालत ने राखी के कई बार बुलावे के बावजूद पेश न होने पर यह वारंट जारी किया है। प्रेम नगर, झांसी निवासी लक्ष्मण अहिरवार नामक यह व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ वैवाहिक विवाद सुलझाने के लिए शो में आया था। आरोप है कि शो के दौरान राखी ने लक्ष्मण को नामर्द कहकर संबोधित किया था। इस घटना के बाद लक्ष्मण ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। जिला सरकारी वकील (अपराध) मृदुल कांत श्रीवास्तव ने बताया कि फास्ट ट्रैक कोर्ट के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने वारंट जारी किया है। इस मामले की अगली सुनवाई 1 दिसंबर को निर्धारित की गई है।

पंजाब के किसानों ने 7 दिसंबर को चंडीगढ़ में पक्का मोर्चा लगाने का किया ऐलान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में किसान फिर आंदोलन की तैयारी में है। किसानों की ओर से 7 दिसंबर को चंडीगढ़ में पक्का मोर्चा लगाने का ऐलान किया है। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर के संगठन ने चंडीगढ़ कूच करने का ऐलान किया है। पंधेर का कहना है कि सरकार के साथ कई दौर की बैठकें होने के बावजूद उनकी मांगें नहीं मानी गई हैं। किसानों के इस ऐलान के बाद अब सबकी नजर 7 दिसंबर पर टिकी है। देखना होगा कि इससे पहले सरकार और किसान संगठनों के बीच कोई सहमति बनती है या किसान चंडीगढ़ में अपना मोर्चा खोलते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक किसान नेता पंधेर का कहना है कि सरकार के साथ कई बैठकें होने के बावजूद उनकी मांगें अभी तक पूरी नहीं हुई हैं। इसी के विरोध में किसानों ने चंडीगढ़ में धरना लगाने का फैसला किया है। किसानों की प्रमुख मांगों में 5 फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी देना शामिल है। किसान संगठनों का कहना है कि फसलों के उचित दाम और अन्य मांगों को लेकर वे लंबे समय से सरकार के सामने आवाज उठा रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है।

बाजा कैलिफोर्निया तट पर नौका हादसा : 11 लापता, 16 बचाए गए

बाजा (एजेंसी)। बाजा कैलिफोर्निया तट के पास समुद्र में एक नौका पलटने से 11 लोग लापता हो गए हैं। इस हादसे में शुक्रवार को 16 लोगों को बचाया गया, जिसमें मैक्सिको के नागरिक शामिल हैं। बचाए गए लोगों में एक व्यक्ति शार्क के काटने से घायल हो गया था, जिसका इलाज जारी है। जीवित बचे लोगों ने अधिकारियों को बताया कि नौका पर कुल 27 लोग सवार थे। अमेरिकी तटरक्षक बल, नौसेना और मेक्सिको की नौसेना लापता लोगों की तलाश में जुट गई है। कई विमानों और नौकाओं से समुद्र में व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। तटरक्षक बल के अनुसार, यह घटना तस्करों के अवसर सक्रिय रहने वाले क्षेत्र में हुई, लेकिन अमेरिकी जलक्षेत्र में नहीं। तटरक्षक बल के चार्ली वैलोरो ने शनिवार को कहा, हम मदद कर सकते थे और इसी वजह से हमने अपने संसाधनों को इस अभियान में लगाया। शनिवार को एक अतिरिक्त हेलीकॉप्टर भी अभियान में लगाया जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह 20 अक्टूबर को पंजाब दौरे पर, नशा पीड़ितों के परिवारों से मिलने का कार्यक्रम

भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने पोस्ट कर बताया

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 20 अक्टूबर को चुनावी राज्य पंजाब का दौरा करने वाले हैं। इस दौरान वे राज्य में नशे की समस्या से ज्ञान गंवाने वाले लोगों के परिजनों से मिल सकते हैं। भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने घोषणा कर कहा कि केंद्रीय मंत्री शाह के मानसा और संगरूर जाने की संभावना है। भाजपा नेता बिट्टू ने एक्स पर शाह के दौरे की जानकारी साझा कर पंजाब में नशे के गंभीर खतरे पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने राज्य को नशे की समस्या से निकालने के लिए निर्णायक कार्रवाई, मजबूत नेतृत्व और दृढ़ संकल्प की आवश्यकता पर जोर दिया। बीजेपी नेता बिट्टू ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार अपना जनअदेश खो चुकी है और लोगों से भाजपा के नशामुक्त पंजाब अभियान का समर्थन करने की अपील की। पार्टी सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय गृहमंत्री शाह



मानसा में नशा विरोधी कार्यकर्ता पर्विंदर सिंह झोटा के परिजनों से मुलाकात करने वाले हैं। जिनकी 13 अक्टूबर को एक मेडिकल स्टोर मालिक ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। आरोप है कि झोटा ने एक बुजुर्ग को मदक पदार्थ बेचने पर सवाल उठाया था। झोटा के परिजन अभी भी न्याय की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं और उनके शव का

अंतिम संस्कार नहीं हुआ है। इस तरह, केंद्रीय मंत्री शाह संगरूर जिले के दिडवा में गुलजार सिंह के परिवार से भी मिलने वाले हैं। जिन्होंने 7 सितंबर को आत्महत्या की थी। परिवार ने आरोप लगाया है कि उन्हें इलाके में नशीले पदार्थों की आपूर्ति को लेकर पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चौमा से सवाल करने पर परेशान किया

और जातिसूचक टिप्पणियों की गई। केंद्रीय मंत्री शाह ने 16 अक्टूबर को कहा था कि केंद्र इन दोनों घटनाओं को लेकर राज्य सरकार से जवाब मांगेगी। यह 20 दिन के भीतर शाह का पंजाब का दूसरा दौरा होगा। इसके पहले, 30 सितंबर को उन्होंने जालंधर में भाजपा की नशा मुक्त पंजाब यात्रा के समापन पर रैली को संबोधित किया था। उस दौरान उन्होंने आप सरकार पर चिट्ठी (सिंथेटिक नशीले पदार्थ) के कारोबार को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। शाह ने वादा किया था कि यदि भाजपा 2027 के विधानसभा चुनाव में सत्ता में आती है, तब दिसंबर 2029 तक पंजाब को नशामुक्त बना दिया जाएगा। उन्होंने जालंधर दौरे में भी नशे से प्रभावित कुछ परिवारों से मुलाकात की थी। पंजाब में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसके बाद भाजपा सहित विभिन्न राजनीतिक दल नशे की समस्या को लगातार प्रमुखता से उठा रहे हैं।

अभिजीत अडिग हैं सीईसी के इस्तीफे की मांग पर, कहा— न डरेंगे, न पीछे हटेंगे



नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉंकोरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपक मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन जारी रखने पर अडिग हैं। उन्होंने कहा है, कि दोनों साथी न्यायिक हिरासत से वापस आ जाएं उसके बाद सभी लोग एक साथ बैठकर आगे की रणनीति तय करेंगे। दीपक ने आरोप लगाया कि गिरफ्तारियों और हिरासत के जरिए आंदोलन से जुड़े लोगों को डराने की कोशिश की जा रही है, लेकिन इससे उनका हौसला कम नहीं होगा। सीजेपी नेता आशुतोष रांका और सौरव दास की रिहाई पर फैसला आने से पहले अभिजीत दीपक ने हाल के घटनाक्रम पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आंदोलन से जुड़े लोगों की गिरफ्तारी और हिरासत जैसे मामले गंभीर हैं। उनके मुताबिक, इन कार्रवाइयों का उद्देश्य आंदोलनकारियों पर दबाव बनाना है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह की कार्रवाई से वे अपने कदम पीछे नहीं खींचेंगे। दीपक ने कहा, 'हम न तो डरेंगे और न ही पीछे हटेंगे।' यह एक लंबी लड़ाई है और हम इसके लिए पूरी तरह तैयार हैं।' उनके बयान से संकेत मिलता है कि मौजूदा घटनाक्रम के बावजूद सीजेपी मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर अपना अभियान जारी रखने के पक्ष में है।

मधेपुरा गांव का बड़ा फैसला: नशा बेचा या किया तो लगेगा 25 हजार रुपये का जुर्माना

मधेपुरा, एजेंसी। बिहार के मधेपुरा गांव वालों ने सिर्फ नशा बेचने वालों को ही नहीं, नशा करने वालों को भी चेतावनी दी है। पंचायत की बैठक में तय हुआ कि अगर कोई नशा करते या बेचते पाया गया तो उस पर 25 हजार रुपए का सामाजिक जुर्माना लगाया जाएगा। इसके बाद प्रशासन को सूचना दी जाएगी, ताकि कानून के मुताबिक कार्रवाई हो सके। ग्रामीणों ने यह संकल्प भी लिया कि अगर कोई नशे के मामले में जेल जाता है, तो उसके परिवार वाले उसकी जमानत नहीं कराएंगे। यह फैसला मधेपुरा सदर प्रखंड की सहुदह पंचायत में लिया है।

जानकारी के मुताबिक सहुदह के स्कूल परिसर में पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता मुखिया मुकेश कुमार ने की। इसमें वर्तमान और पूर्व मुखिया समेत दोनों पंचायतों के प्रतिनिधि और ग्रामीण शामिल हुए। सभी ने मिलकर सहुदह को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। अब सवाल है कि पंचायत ने ऐसा फैसला

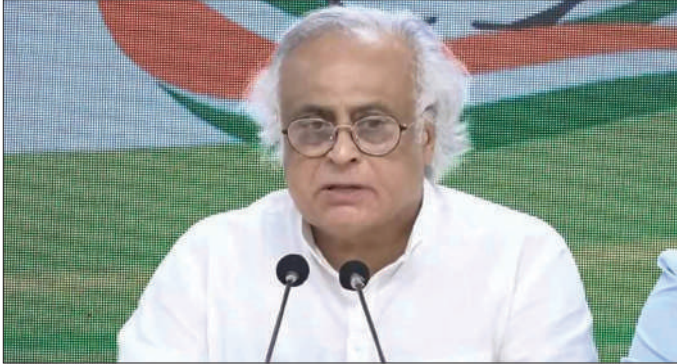
क्यों लिया? इसे लागू कैसे किया जाएगा? और 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाने या जमानत नहीं कराने का फैसला कितना कानूनी है? ग्रामीणों का कहना है कि नशे के खिलाफ सिर्फ चर्चा करने से काम नहीं चलेगा, बल्कि गांव के लोगों को मिलकर इस पर रोक लगाने की कोशिश करनी होगी। बैठक में मौजूद ग्रामीण प्रतिनिधि ने कहा कि वर्तमान मुखिया, पूर्व मुखिया और गांव के लोगों ने साथ बैठकर यह फैसला लिया गया है उनका कहना था कि आज से सहुदह में नशा बंद कराने की दिशा में सामूहिक कोशिश की जाएगी। नियम तोड़ने वालों पर जुर्माना लगेगा।

इस फैसले का दूसरा हिस्सा और भी खास है। ग्रामीणों ने कहा है कि अगर नशे के मामले में पकड़ा गया कोई व्यक्ति जेल जाता है, तो उसके परिवार उसकी जमानत करने के लिए आगे नहीं आएंगे। पंचायत के लोगों को उम्मीद है कि जुर्माने और सामाजिक बहिष्कार जैसी चेतावनी से नशे के खिलाफ माहौल बनाया जा सकेगा।

कांग्रेस ने सीईसी ज्ञानेश कुमार को हटाने और एसआईआर को रोकने की मांग की

नई दिल्ली, एजेंसी। निर्वाचन आयोग द्वारा राजनीतिक दलों को 'पढ़ने योग्य' प्रारूप में मतदाता सूची उपलब्ध कराने के फैसले के बीच कांग्रेस ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को तत्काल रोकने की अपनी मांग उठाई है। कांग्रेस ने 'वोट चोरो' के खिलाफ देश भर में हुए विरोध प्रदर्शनों का परिणाम बताया है।

पार्टी महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी बीते दो वर्ष से निर्वाचन आयोग से डिजिटल प्रारूप में मतदाता सूचियां उपलब्ध करने की मांग कर रहे थे, हमारी इस सही मांग को आयोग



बताया कि 2018 में जब कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में लाखों फर्जी मतदाता पकड़े थे, तभी चुनाव आयोग ने 'डिजिटल' मतदाता सूचियां देना बंद किया था, जिससे 'वोट चोरी' को संभव बनाया जा सके। उन्होंने हर बार ठुकराता रहा। कांग्रेस नेता रमेश ने

सड़कों पर उतरे पूरे देश की जीत बताया। रमेश ने आरोप लगाया कि सीईसी ज्ञानेश कुमार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के निर्देशों पर काम कर रहे हैं, जिससे निर्वाचन आयोग पर जनता का मौजूदा फैसले को वोट चोरों के खिलाफ

दुशांबे में एससीओ बैठक : राजनाथ सिंह करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 19-20 अक्टूबर को ताजिकिस्तान के दुशांबे में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की शासनाध्यक्ष परिषद की 25वीं बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले हैं। मोदी सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, महत्वपूर्ण बैठक का मुख्य उद्देश्य एससीओ सदस्य देशों के बीच बहुपक्षीय सहयोग को बेहतर करना है। विशेष रूप से व्यापार, अर्थव्यवस्था, निवेश, संपर्क, नवाचार और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में गहन चर्चा होगी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि भारत एससीओ की विभिन्न व्यवस्थाओं में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है और क्षेत्रीय सहयोग में लगातार योगदान दे रहा है। भारत विशेषकर स्टार्टअप और नवाचार, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे तथा लोगों के बीच आपसी संपर्क जैसे क्षेत्रों में पहल के माध्यम से सहयोग को बढ़ावा दे रहा है। बैठक में जारी सहयोग पहलों की प्रगति की समीक्षा होगी और संगठन के वित्तीय व संस्थागत कामकाज से जुड़े निर्णयों पर विचार होगा।

कोलकाता के चोरबागान में भगदड़ के बाद कड़े कदम: 19 मौतों पर प्रशासन अलर्ट

मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी भी स्थिति पर बारीकी से नजर रखे हुए

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के चोरबागान में दुर्गा पूजा पंडाल में हुई भीषण भगदड़ के बाद प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है, जिसमें 19 लोगों की दर्दनाक मौत हुई है। मरने वालों में 13 महिलाएं शामिल हैं, और हादसे ने कई परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है। भगदड़ के महेनजर, कोलकाता पुलिस ने चोरबागान पंडाल के आसपास और उत्तर व मध्य कोलकाता के कुछ सटे इलाकों में बीएनएसएस की धारा 163 लागू कर दी है। इसके तहत कार्यक्रम स्थल के पास सड़कों पर लोगों के एकत्रित होने पर पूरी तरह से रोक है। यह प्रतिबंध 20 अक्टूबर तक प्रभावी रहेगा। पश्चिम बंगाल के अग्निशमन मंत्री कौशिक चौधरी ने घटनास्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लेकर बताया कि हालात पर नजर रखने के लिए एक कंट्रोल रूम भी स्थापित किया है। स्वयं मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी भी स्थिति पर बारीकी से नजर रखे हुए हैं और जल्द ही उच्चस्तरीय बैठक करने वाले हैं। हादसे के तुरंत बाद घटनास्थल को सील किया गया है, जहां फॉरेंसिक टीम, पुलिस



और दमकल विभाग के अधिकारी जांच कर रहे हैं। पुलिस और अग्निशमन अधिकारी अब दूसरे दुर्गा पूजा पंडालों में भी सुरक्षा व्यवस्था की जांच कर रहे हैं ताकि ऐसी घटना फिर न हो। मामले में अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनसे घटना के कारणों का पता लगाने के लिए पृष्ठछाड़ जारी है। एक अधिकारी ने बताया कि लापरवाही सामने आने पर कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने इस दर्दनाक घटना पर सख्त से सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

हादसे में जान गंवाने वाले 19 लोगों में महिलाओं और बच्चों की संख्या सबसे अधिक है, जो घटना की भयावहता को दिखाता है। सुवेंदु सरकार ने मृतकों के परिजनों के लिए 25 लाख रुपये के मुआवजे और एक सरकारी नौकरी का ऐलान किया है। वहीं, घायलों को मुफ्त इलाज के साथ 5-5 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की गई है। प्रधानमंत्री ने भी मृतकों के परिवारों के लिए आर्थिक मुआवजे का ऐलान किया है, जिससे पीड़ित परिवारों को कुछ राहत मिल सके।

एजेंसी)। 'मुंबई, 18 अक्टूबर (हि.स.)। 'महाराष्ट्र के बीड़ जिले में 'रविवार दोपहर एसटी बस और 'कार के बीच हुई टक्कर में 'पांच लोगों की मौत हो गई, 'जबकि एक व्यक्ति घायल हो 'गया। 'हादसा 'माजलगांव 'तहसील में 'खामगांव-पंढरपुर 'राष्ट्रीय राजमार्ग पर 'शिंदेवाड़ी 'फाटा के पास 'अविनाश दादा 'बंसोडे के 'पेट्रोल पंप के सामने 'हुआ। 'दुर्घटना में 'जान गंवाने 'वाले सभी लोग एक ही परिवार 'के बताए जा रहे हैं'। 'माजलगांव 'ग्रामीण पुलिस 'स्टेशन की टीम मामले की 'जांच कर रही है'। 'पुलिस अधिकारी के अनुसार, 'माजलगांव निवासी गजानन 'रामदास के परिवार के छह 'लोग कार से तुलजापुर दर्शन 'करने का राह थे'। इसी दौरान 'शिंदेवाड़ी फाटा के पास कार 'अचानक अनियंत्रित हो गई 'और सामने से आ रही एसटी



बस से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में सवार गजानन रामदास समेत पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। कुछ देर बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची

और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, घायल व्यक्ति को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल माजलगांव ग्रामीण पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

महाराष्ट्र सूखा संकट: अधिकारी, नेता और सरकार बने किसानों का सहारा

मुंबई , एजेंसी। महाराष्ट्र के कई हिस्से इस समय गंभीर जल संकट और भीषण सूखे की मार झेल रहे हैं, इससे राज्य के किसानों की आर्थिक स्थिति बेहद दयनीय हो गई है। इस विकट स्थिति में किसानों को राहत पहुंचाने के लिए प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि और राज्य सरकार, सभी एकजुट होकर सामने आए हैं। राज्य के वरिष्ठ आईएएस और आईपीएस अधिकारियों ने संकट से जूझ रहे किसानों की सहायता करने का संकल्प लिया है। इसके तहत, सभी अधिकारी अक्टूबर 2026 के अपने

एक दिन का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष में दान करने वाले हैं। इस संबंध में अधिकारियों के संगठन की ओर से राज्य सरकार को आधिकारिक पत्र भी सौंपा जा चुका है, जो उनके एकजुट समर्थन को दर्शाता है। जनप्रतिनिधि भी इस राहत कार्य में अपना योगदान दे रहे हैं। चिपलून-संगमेश्वर विधानसभा क्षेत्र के विधायक शेखर निकम ने अपने एक महीने के मूल वेतन का चेक उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार को सौंप दिया जूझ रहे किसानों की सहायता करने का संकल्प लिया है। इसके तहत, सभी अधिकारी अक्टूबर 2026 के अपने

हेक्टेयर कम से कम 50,000 रुपये और कृषि मजदूरों को तत्काल प्रभाव से 25,000 रुपये की सीधी वित्तीय सहायता प्रदान करें, ताकि वे इस मुश्किल समय में कुछ राहत पा सकें। महाराष्ट्र सरकार के राहत और पुनर्वास विभाग ने 14 अक्टूबर, 2026 को राज्य के 305 तालुकों को आधिकारिक तौर पर सूखा प्रभावित घोषित किया है। प्रभावित किसानों को राहत पहुंचाने के लिए महायुति सरकार ने कई महत्वपूर्ण रियायतों का ऐलान किया है। इसमें सूखा प्रभावित क्षेत्रों के किसानों को भू-राजस्व से पूरी तरह से छूट, फसल

ऋणों का पुनर्गठन और सभी प्रकार के कृषि ऋणों की वसूली पर तत्काल रोक शामिल है। इसके अतिरिक्त, कृषि पंपों के मौजूदा बिजली बिलों पर विशेष छूट दी जाएगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सूखा प्रभावित क्षेत्रों के छात्रों की परीक्षा फीस भी माफ की गई है, ताकि आर्थिक तंगी के कारण किसी भी बच्चे की पढ़ाई प्रभावित न हो। यह सामूहिक प्रयास संकटग्रस्त किसानों और उनके परिवारों को उम्मीद और समर्थन प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।



संक्षिप्त डायरी

बिहार में होने वाले पंचायत चुनाव पर नया अपडेट,

जानिए क्यों टल रही इलेक्शन की तारीख

एजेंसी पटना। बिहार में विधान परिषद चुनाव के अलावा पंचायत चुनाव भी होने वाला है, जिसकी तैयारी तेज कर दी गई है. वोटर लिस्ट रिविजन पर जोर दिया जा रहा है, ताकि कोई भी पात्र वोटर ना रह जाए. इसके लिए अभियान भी चलाया जाएगा. बिहार में होने वाले पंचायत चुनाव को लेकर अपडेट है. फिलहाल परिसीमन का काम कराया जा रहा है. यह काम खत्म होने के बाद ही पंचायत चुनाव कराए जायेंगे. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने खुद ही यह जानकारी दी थी. पटना में एक कार्यक्रम के दौरान पंचायत प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के वक्त उन्होंने स्पष्ट किया था कि परिसीमन के बाद पंचायत चुनाव कराए जायेंगे. इस वजह से टल रहा चुनाव जानकारी के मुताबिक, पंचायत चुनाव इसी साल नवंबर या दिसंबर महीने में कराया जाना था. लेकिन अब तक तारीख को लेकर कोई अपडेट सामने नहीं आया. बताया जा रहा है कि यह चुनाव इबोसी के आश्रक्षण के मुद्दे की वजह से टल गया है. इसके साथ ही परिसीमन का काम कराया जा रहा है. साथ ही वोटर लिस्ट रिविजन पर भी जोर दिया जा रहा है. वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने के लिए चलेगा अभियान ऐसा बताया जा रहा है कि वोटर लिस्ट रिविजन का काम मोतिहारी से शुरू किया जाएगा. इसके तहत नए और पात्र वोटर्स के नाम वोटर लिस्ट में जोड़े जायेंगे. इसके लिए अभियान चलाया जाएगा. कई जिलों में शिविर लगाए जायेंगे और खूटे हुए पात्र वोटर्स के नाम लिस्ट में जोड़े जाने की तैयारी है. बिहार से जुड़ी अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें कब तक हो सकता है चुनाव? ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि अगर अगले साल यानी 2027 में पंचायत चुनाव होता है तो मार्च या फ्रिफ्र अप्रैल महीने में आयोजित हो सकता है. लेकिन अब तक आधिकारिक तौर पर कोई भी जानकारी सामने नहीं आई है. पंचायत चुनाव के माध्यम से गांव के मुखिया, पंचायत समिति, वार्ड सदस्य और जिला परिषद प्रतिनिधियों का चुनाव होता है. ग्रामीणों से की जा रही अपील मिली जानकारी के अनुसार, इस बार वोटर्स से पास सिर्फ वोटर कार्ड ही होना पर्याप्त नहीं होगा बल्कि उनका नाम आधिकारिक रूप से लिस्ट में शामिल होना अनिवार्य होगा. इस स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों से यह अपील की जा रही है कि निर्वाचन कार्यालय या फ्रिफ्र स्थानीय स्तर पर अपनी पात्रता और नाम शामिल होने की मौजूदगी की पुष्टि कर लें. ऐसा करने पर ही वोटिंग के वक्त किसी भी तरह की परेशानी से बच सकते हैं.

प्रचार का आज आखिरी दिन, 8 सीटों के लिए 23 अक्टूबर को होगी वोटिंग

एजेंसी पटना। बिहार विधान परिषद चुनाव को लेकर 23 अक्टूबर को वोट डाले जायेंगे. ऐसे में आज (21 अक्टूबर) शाम तक चुनाव प्रचार का शोर थम जाएगा. आखिरी दिन अपने-अपने पार्टी के प्रत्याशियों की जीत के लिए नेता पूरी ताकत झोंक देंगे. बिहार विधान परिषद की 8 सीटों पर चुनाव होना है. इसके लिए तमाम राजनीतिक पार्टियों के नेताओं की ओर से लगातार प्रचार किया जा रहे थे. ऐसे में आज चुनावी प्रचार का आखिरी दिन है. आज शाम 5 बजे तक ही प्रत्याशियों के लिए चुनाव प्रचार किया जा सकता है. इसके बाद यह दौर थम जाएगा. पटना स्नातक सीट पर मुकाबला रोचक पटना स्नातक सीट की माने तो, यहां बेहद दिलचस्प मुकाबला माना जा रहा है. 23 अक्टूबर को वोट डाले जायेंगे. इस सीट पर मुकाबला जन सुराज के प्रत्याशी अनुज सिंह और जेडीयू के प्रत्याशी नीरज कुमार के बीच है. अनुज सिंह का समर्थन जेडीयू के मोकाम्मा से विधायक अनंत सिंह कर रहे हैं. ऐसे में मुख्य रूप से मुकाबला अनंत सिंह और नीरज कुमार के बीच ही माना जा रहा है. प्रत्याशियों के लिए किया गया प्रचार-प्रसार ऐसी संभावना जताई जा रही है कि चुनाव प्रचार के आखिरी दिन तमाम राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने प्रत्याशी की जीत के लिए ताकत झोंक देंगे. इससे पहले भी कई नेता उम्मीदवारों के लिए वोट मांगते हुए दिख चुके हैं. कहीं रैलियां की जा रही हैं तो कहीं जनसभाएं. कहीं-कहीं जनता से वन टू वन बातचीत कर कई तरह के वादे किए जा रहे हैं. बिहार से जुड़ी अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें 164 उम्मीदवार चुनावी मैदान में जानकारी के मुताबिक, चुनाव के 8 सीटों में 4 स्नातक और 4 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 164 उम्मीदवारों ने नॉमिनेशन किया है. शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में 66 उम्मीदवार जबकि स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में 98 उम्मीदवार शामिल है. चुनाव को लेकर 23 अक्टूबर को वोटिंग होगी. इसके बाद 27 अक्टूबर को वोटों की गिनती होगी. किस पार्टी से कितने उम्मीदवार? पनडीए की ओर से 4 जेडीयू और 4 बीजेपी के उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं. अरजेडी की बात करें तो, 6 सीटों पर प्रत्याशी उतारे गए हैं. जबकि जन सुराज की बात करें तो, सभी 8 सीटों पर उम्मीदवार उतारे गए हैं. इसके अलावा काँग्रेस और वाम दलों के उम्मीदवार भी चुनावी मैदान में हैं. कई सीटों पर एक ही गठबंधन के अलग-अलग दलों के प्रत्याशियों के बीच टक्कर देखने के लिए मिल सकती है. पटना स्नातक सीट की बात करें तो, यहां जेडीयू से प्रत्याशी नीरज कुमार चुनावी मैदान में हैं. जन सुराज से अनुज सिंह, आरजेडी से दिलीप कुमार और काँग्रेस से असदुल्लाह खान के बीच मुकाबला होगा. इस सीट पर मुकाबला और भी दिलचस्प इस वजह से हो गया क्योंकि जेडीयू के विधायक अनंत सिंह जेडीयू के प्रत्याशी नीरज कुमार का समर्थन करने के बजाय जन सुराज के अनुज सिंह का कर रहे हैं. इतना ही नहीं, दोनों नेता एक-दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप भी लगा रहे हैं.

बिहार में नवंबर के पहले हफ्ते से बढ़ेगी ठंड, छा सकता है कोहरा, सुबह-शाम महसूस हो रही ठंड

एजेंसी पटना। बिहार में मौसम इन दिनों बदल गया है. सुबह और शाम के वक्त ठंड महसूस हो रही है. इस बीच मौसम विभाग की माने तो, नवंबर के पहले हफ्ते में ठंड बढ़ सकती है. कई इलाकों में कोहरा छाया रह सकता है. तापमान में भी गिरावट हो सकती है. बिहार से अब मॉनसून की पूरी तरह से विदाई हो गई है. किसी भी जिले में बारिश की गतिविधि देखने के लिए नहीं मिल रही है. ऐसे में अब ठंड धीरे-धीरे दस्तक दे रही है. सुबह और शाम के वक्त तापमान में थोड़ी गिरावट होने की वजह से ठंड महसूस हो रही है. लेकिन दोपहर के वक्त धूप खिल जाने की वजह से गर्मी का भी एहसास हो रहा है. बिहार में आज का मौसम मौसम विभाग की माने तो, आज किसी भी जिले में बारिश को लेकर चेतावनी जारी नहीं की गई है. ज्यादातर जिलों में मौसम साफ और शुष्क बना रहेगा. आसमान भी पूरी तरह से साफ रहेगा. किसी-किसी हिस्से में कोहरा छाया रह सकता है. लेकिन दोपहर के वक्त मौसम सामान्य रह सकता है. अगले एक हफ्ते तक मौसम इसी तरह बने रहने की संभावना जताई गई है. नवंबर से बढ़ सकती है ठंड मौसम विभाग ने यह भी संभावना जताई है कि बिहार में नवंबर के पहले हफ्ते में ठंड बढ़ सकती है. तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है. नवंबर के महीने में थोड़ी ज्यादा ठंड महसूस हो सकती है. लेकिन कड़ाक के ठंड को लेकर अब तक किसी तरह की चेतावनी जारी नहीं की गई है. इस तरह से आने वाले महीने में मौसम में अच्छा खासा बदलाव हो सकता है. बिहार से जुड़ी अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें क्या कहना है मौसम वैज्ञानिकों का? मौसम वैज्ञानिकों की माने तो, हिमाचल प्रदेश और पंजाब के ऊपर समुद्र तल से लगभग 3.1 किलोमीटर की ऊंचाई तक एक परिसंचरण बना हुआ है. मध्य क्षोभमंडल में एक ट्रफ भी मौजूद है. उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश और इसके आसपास के इलाके में समुद्र तल से करीब 1.5 किलोमीटर ऊपर तक एक अन्य चक्रवाती परिसंचरण एक्टिव है. पटना में मौसम का हाल पटना में मौसम की बात करें तो, राजधानी में मौसम इन दिनों सामान्य बना हुआ है. किसी भी हिस्से में बारिश की गतिविधियां देखने के लिए नहीं मिल रही हैं. आज भी मौसम साफ और शुष्क बने रहने की ही संभावना जताई गई है. लेकिन दोपहर तक धूप की वजह से थोड़ी गर्मी महसूस हो सकती है. जिले का अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान 20 से 24 डिग्री सेल्सियस तक बना रह सकता है.

दिवाली-छठ पर सीवान और हाजीपुर के यात्रियों को राहत, चंडीगढ़-बरौनी स्पेशल ट्रेन 23 अक्टूबर से, जानें टाइम टेबल

एजेंसी पटना। दिवाली और छठ पर बिहार लौटने वालों के लिए चंडीगढ़-बरौनी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 23 अक्टूबर से शुरू होगी. सीवान और हाजीपुर में ठहराव के साथ दोनों दिशाओं में छह-छह फेरे लगाएगी. दीपावली और छठ पूजा पर पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ से बिहार लौटने वाले यात्रियों के लिए रेलवे ने राहत भरी खबर दी है. त्योहारी सीजन में ट्रेनों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए चंडीगढ़ और बरौनी के बीच साप्ताहिक आरक्षित त्योहार स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है. ट्रेन संख्या 04536/04535 गोरखपुर के रास्ते चलेगी और दोनों दिशाओं में छह-छह फेरे लगाएगी. खास बात यह है कि इस ट्रेन का ठहराव सीवान और हाजीपुर दोनों स्टेशनों पर होगा. इससे सारण



प्रमंडल और वैशाली जिले समेत आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को त्योहार पर घर आने-जाने में सुविधा मिलेगी. 23 अक्टूबर से चंडीगढ़ से शुरू होगी स्पेशल ट्रेन पूर्वी रेलवे गोरखपुर के जनसंपर्क विभाग की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, ट्रेन संख्या 04536 चंडीगढ़-बरौनी साप्ताहिक त्योहार विशेष ट्रेन 23 अक्टूबर से 27 नवंबर 2026 तक प्रत्येक शुक्रवार को संचालित होगी.

यह ट्रेन चंडीगढ़ से रात 11:45 बजे रवाना होगी और यात्रा के तीसरे दिन रात 12:30 बजे बरौनी पहुंचेगी. रास्ते में गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर और शाहपुर पटोरी समेत प्रमुख स्टेशनों पर इसका ठहराव निर्धारित किया गया है. सीवान में शाम 7:10 बजे और हाजीपुर में रात 10:05 बजे पहुंचेगी ट्रेन चंडीगढ़ से शुक्रवार की रात रवाना होने वाली

मनेर में कांग्रेस की बैठक, डॉ. असदुल्ला खान के समर्थन में कार्यकर्ताओं ने बनाई रणनीति

एजेंसी पटना। स्नातक निर्वाचन के लिए मनेर में कांग्रेस की बैठक हुई. डॉ. असदुल्ला खान के समर्थन में कार्यकर्ताओं ने चुनावी रणनीति बनाई और जनसंपर्क तेज करने पर जोर दिया. मनेर स्नातक निर्वाचन को लेकर राजनीतिक सरगमी तेज हो गई है. चुनाव की तैयारी के तहत पटना जिले के मनेर नगर परिषद क्षेत्र के गांधी हाट मोड़ स्थित कम्युनिटी हॉल परिसर में कांग्रेस उम्मीदवार डॉ. असदुल्ला खान के समर्थन में कार्यकर्ता बैठक आयोजित की गई. बैठक में बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए. इस दौरान चुनावी रणनीति, जनसंपर्क अभियान और संगठन को मजबूत बनाने पर चर्चा की गई. कार्यकर्ताओं से जनसंपर्क तेज करने की अपील बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस नेता चौधरी ब्रह्मप्रकाश यादव ने की, जबकि संचालन अरुण आर्य ने किया. इस दौरान स्नातक उम्मीदवार डॉ. असदुल्ला खान ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पार्टी की नीतियों, विचारधारा और चुनाव से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की. उन्होंने कार्यकर्ताओं से पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ चुनावी अभियान में जुटने तथा अधिक से अधिक स्नातक मतदाताओं तक पहुंचने की अपील की. घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क बैठक में शामिल कार्यकर्ताओं ने चुनावी रणनीति पर चर्चा करते हुए डॉ. असदुल्ला खान के समर्थन में जनसंपर्क अभियान तेज करने पर जोर दिया. कार्यकर्ताओं के अनुसार, स्नातक मतदाताओं से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की जा रही है. इस दौरान उन्हें उम्मीदवार और कांग्रेस पार्टी की नीतियों से अवगत कराया जा रहा है. कार्यकर्ताओं ने चुनाव में उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने के लिए एकजुट होकर काम करने का संकल्प लिया. संगठन मजबूत करने पर जोर बैठक में मौजूद नेताओं और कार्यकर्ताओं ने चुनाव तक जनसंपर्क अभियान को और तेज करने तथा संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया. कार्यकर्ताओं ने भरपूर जताया कि लगातार जनसंपर्क और सामूहिक प्रयासों से चुनाव में बेहतर परिणाम हासिल करने की दिशा में काम किया जाएगा.

बीमार नीरज कुमार से मिलने पहुंचे बिहार के सीएम और डिटी सीएम, साथ में मौजूद रहे संजय सरावगी

एजेंसी पटना। मेदांता अस्पताल में नीरज कुमार का हालचाल लेते सीएम सम्राट चौधरी, डिटी सीएम विजय चौधरी और संजय सरावगी मेदांता अस्पताल में नीरज कुमार का हालचाल लेते सीएम सम्राट चौधरी, डिटी सीएम विजय चौधरी और संजय सरावगी जेडीयू एमएलसी प्रत्याशी नीरज कुमार की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें पटना के मेदांता अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, डिटी सीएम विजय चौधरी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने अस्पताल पहुंचकर उनका हालचाल जाना. जेडीयू के एमएलसी प्रत्याशी नीरज कुमार की तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें पटना स्थित मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है. हाट से जुड़ी परेशानी के कारण उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां फिलहाल आईसीयू में उनका इलाज चल रहा है. नीरज कुमार की तबीयत बिगड़ने की जानकारी मिलने के बाद मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, डिटी सीएम विजय चौधरी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी मेदांता



अस्पताल पहुंचे. तीनों नेताओं ने नीरज कुमार का हालचाल जाना और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली. हाट से जुड़ी परेशानी के बाद अस्पताल में भर्ती मिली जानकारी के अनुसार, नीरज कुमार पहले से ही हाट संबंधी समस्या से जूझ रहे हैं. इसी बीच अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गयी, जिसके बाद उन्हें मेदांता अस्पताल ले जाया गया. अस्पताल में चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है. डॉक्टरों की टीम उनके स्वास्थ्य पर लगातार नजर रख रही है. पटना स्नातक सीट से जेडीयू के प्रत्याशी हैं नीरज कुमार नीरज कुमार पटना स्नातक सीट

से जेडीयू के एमएलसी प्रत्याशी हैं. चुनावी सरगमी के बीच उनकी तबीयत खराब होने की खबर सामने आयी है. इस चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां भी तेज हैं. बताया जा रहा है कि चुनाव में नीरज कुमार को अपनी ही पार्टी के विधायक अनंत सिंह की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है. अनंत सिंह जन सुराज के प्रत्याशी अनुज सिंह के समर्थन में चुनाव प्रचार कर रहे हैं और उनके पक्ष में वोट मांग रहे हैं. फिलहाल नीरज कुमार का मेदांता अस्पताल में इलाज जारी है. उनके स्वास्थ्य को लेकर राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा तेज हो गयी है.

पप्पू यादव की बिगड़ी तबीयत, अचानक आने लगा चक्कर, गिरते-गिरते बचे सांसद

एजेंसी पटना। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव की अचानक तबीयत बिगड़ गई. एक कार्यक्रम के दौरान उन्हें चक्कर आने लगा. वे गिरते-गिरते बचे. पप्पू यादव के साथ मौजूद लोगों ने उन्हें किसी तरह संभाला. इस पूरे वाक्ये से जुड़ा वीडियो भी सामने आया है. जेडीयू एमएलसी नीरज कुमार के बाद अब पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव की तबीयत अचानक बिगड़ गई है. वे कटिहार जिले में एक कार्यक्रम के सिलसिले में पहुंचे थे. वे कार्यक्रम का उद्घाटन करने के लिए गए थे, लेकिन तभी उन्हें अचानक चक्कर आने लगा. इस दौरान लोगों की काफी भीड़ जुटी थी. किसी तरह से लोगों ने उन्हें संभाला. इस दौरान पप्पू यादव गिरते-गिरते बचे. कार्यक्रम के उद्घाटन से



पहले आया चक्कर जानकारी के मुताबिक, जिले में सांस्कृतिक कार्यक्रम और नाटक होने वाला था. इसी का उद्घाटन करने के लिए पप्पू यादव को आमंत्रित किया गया. इस पूरे वाक्ये से जुड़े वीडियो में यह देखा गया कि पप्पू यादव के आसपास लोगों की काफी ज्यादा भीड़ जुटी थी. पप्पू यादव के हाथ में माइक भी था. लेकिन अचानक चक्कर आने की

वजह से वह लड़खड़ाते लगे. इसके बाद जल्दबाजी में उनके लिए कुर्सी मंगाई गई.पूरे मामले से जुड़ा वीडियो आया सामने वीडियो में देखा गया कि पप्पू यादव हाथ से इशारा करते हुए बता रहे हैं कि उन्हें चक्कर आ रहा है. इसके बाद सांसद के सिर पर पानी डाला गया. कुछ देर बाद उन्हें थोड़ी राहत मिलती है. पप्पू यादव की तबीयत खराब होने की वजह से उन्हें

ट्रेन अगले दिन शनिवार को शाम पांच बजे गोरखपुर पहुंचेगी. इसके बाद शाम 6:05 बजे देवरिया सदर और शाम 7:10 बजे सीवान जंक्शन पहुंचेगी. सीवान से आगे बढ़ने के बाद ट्रेन रात 8:30 बजे छपरा, रात 9:50 बजे सोनपुर और रात 10:05 बजे हाजीपुर पहुंचेगी. इसके बाद रात 11:02 बजे शाहपुर पटोरी होते हुए रविवार की रात 12:30 बजे बरौनी पहुंचेगी. इस ट्रेन से सीवान और वैशाली जिले के उन यात्रियों को विशेष सुविधा मिलने की उम्मीद है, जो चंडीगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में काम करते हैं और दीपावली तथा छठ पूजा पर अपने घर लौटना चाहते हैं. बरौनी से 25 अक्टूबर से प्रत्येक रविवार को होगी वापसी वापसी दिशा में ट्रेन संख्या 04535 बरौनी-चंडीगढ़ साप्ताहिक त्योहार स्पेशल 25



प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पुतला दहन समाप्त होते ही हजारों की संख्या में लोग एक साथ मैदान से बाहर निकलने की कोशिश करने लगे. मुख्य गेट के पास सड़क की तुलना में मैदान का जमीनी स्तर नीचा होने की वजह से अचानक धक्का-मुक्की शुरू हो गई. इसी आपाधापी में आगे चल रही महिलाएं लड़खड़ाकर गिर पड़ीं और उनके ऊपर पीछे से आ रही भीड़ का दबाव बन गया. घटना के बाद चारों तरफ अफरा-तफरी मच गई, सड़क पर महिलाओं, पुरुषों और बच्चों की चप्पलें बिखर गईं और लोग अपनों की

तलाश में बहबवास नजर आए. हालात बेकाबू होते देख स्थानीय युवाओं ने सुझबूझ का परिचय देते हुए तत्काल मोर्चा संभाला. युवाओं ने भीड़ में फंसी महिलाओं और रोते-बिलखते बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला. भारी भीड़ और जाम के चलते एंबुलेंस को मौके तक पहुंचने में भारी मशक्कत का सामना करना पड़ रहा था. ऐसे में स्थानीय युवकों ने घायल महिलाओं को अपनी स्कूटी पर बैठाकर तुरंत नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया. सूचना मिलते ही एसडीओ धनराज कुमार और एसडीपीओ राघव

इनमें थर्ड एसी के 11 कोच, सेकंड एसी के तीन कोच और जनेरेटर सह लगेज यान के दो कोच शामिल होंगे. इस प्रकार ट्रेन के सभी 14 यात्री कोच वातानुकूलित होंगे. ट्रेन आरक्षित श्रेणी की होगी. यात्रियों को टिकट की उपलब्धता के अनुसार आरक्षण कराना होगा. दिवाली और छठ पर घर लौटने वाले प्रवासियों को मिलेगी सुविधा त्योहारी सीजन में चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा और आसपास के राज्यों से बड़ी संख्या में बिहार के लोग अपने घर लौटते हैं. विशेष रूप से छठ पूजा के समय नियमित ट्रेनों में सीटों की मांग काफी बढ़ जाती है. ऐसे में चंडीगढ़-बरौनी त्योहार स्पेशल ट्रेन शुरू होने से सीवान, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर और आसपास के जिलों के यात्रियों को अतिरिक्त रेल सेवा का विकल्प मिलेगा. यात्रियों को सलाह दी गई है

मसौढ़ी गांधी मैदान में रावण दहन के बाद भगदड़ जैसे हालात



प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पुतला दहन समाप्त होते ही हजारों की संख्या में लोग एक साथ मैदान से बाहर निकलने की कोशिश करने लगे. मुख्य गेट के पास सड़क की तुलना में मैदान का जमीनी स्तर नीचा होने की वजह से अचानक धक्का-मुक्की शुरू हो गई. इसी आपाधापी में आगे चल रही महिलाएं लड़खड़ाकर गिर पड़ीं और उनके ऊपर पीछे से आ रही भीड़ का दबाव बन गया. घटना के बाद चारों तरफ अफरा-तफरी मच गई, सड़क पर महिलाओं, पुरुषों और बच्चों की चप्पलें बिखर गईं और लोग अपनों की

दयाल मौके पर पहुंचे और युवाओं के सहयोग से मोर्चा संभालते हुए भीड़ को नियंत्रित किया, जिससे एक बड़ा हादसा समय रहते टल गया. घटना के समय बाजार से राम-जानकी का रथ भी गुजर रहा था, जिसके चलते गंभीर घायल महिला को अनुमंडल अस्पताल ले जा रही एंबुलेंस को भी रास्ते में काफी देर तक जाम में जड़ना पड़ा. स्थानीय नागरिकों ने इस अव्यवस्था को लेकर आयोजन समिति और प्रशासन के इंतजामों पर कड़े सवाल खड़े किए हैं. लोगों का आरोप है कि आयोजन समिति के अधिकांश प्रशासन ने स्थिति को किया नियंत्रित हालाँकि, समय रहते प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय युवाओं की सक्रियता से स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया, लेकिन इस घटना ने बड़े सार्वजनिक आयोजनों में निकास प्रबंधन और आपदा सुरक्षा व्यवस्था की क्षमियों को उजागर कर दिया है.

मनेर में कब्रिस्तान के पास मिला 30 वर्षीय युवक का शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

एजेंसी पटना। पटना के मनेर में कब्रिस्तान के पास एक युवक का शव संदिग्ध हालत में मिला है. परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.पटना जिले के मनेर थाना क्षेत्र के ब्यापुर गांव में बुधवार को उस समय जनसन्नी फैल गई, जब कब्रिस्तान के पास एक युवक का शव संदिग्ध अवस्था में मिला. शव मिलने की खबर फैलते ही घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई. युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत को लेकर गांव में तरह-तरह की चर्चाएँ होने लगीं. सद्दाम हुसैन उर्फ राजा के रूप में हुई मृतक की पहचान मृतक की पहचान ब्यापुर गांव निवासी जाहिद हुसैन के 30 वर्षीय पुत्र सद्दाम हुसैन उर्फ राजा के रूप में हुई है. युवक का शव मिलने की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. परिजनों ने जताई हत्या की आशंका युवक की मौत के बाद उसके परिजनों ने हत्या किए जाने की आशंका जताई है. हालाँकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई. पुलिस ने भी मौत के कारणों को लेकर कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं दिया है. सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची मनेर पुलिस ब्यापुर गांव स्थित कब्रिस्तान के पास शव मिलने की



सूचना पुलिस को दी गई. इसके बाद मनेर थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया. पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल, दानापुर भेज दिया. ग्रामीणों की भीड़ से सड़क पर आवागमन प्रभावित घटना की जानकारी मिलने के बाद घटनास्थल पर काफी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए. अचानक भीड़ बढ़ने से सड़क पर यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई. कुछ समय तक लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा. युवक की संदिग्ध मौत के बाद ब्यापुर गांव में शोक का माहौल है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के कारणों का चलेगा पता फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है. घटना से जुड़े विभिन्न पहलुओं की पड़ताल की जा रही है.

बोचहां में तीन जगहों पर हुआ रावण दहन, जय श्रीराम के नारों से गुंजा पूरा इलाका

एजेसी पटना। बोचहां प्रखंड में दशहरा पर रावण दहन धूमधाम से हुआ। बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक, जय श्रीराम के नारों से गुंजा इलाका। रावण दहन बोचहां: विजयादशमी के पावन पर्व पर मंगलवार को बोचहां प्रखंड क्षेत्र में बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक रावण दहन धूमधाम से संपन्न हुआ. प्रखंड क्षेत्र के तीन अलग-अलग स्थानों पर वैदिक विधि-विधान और परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना के बाद रावण के विशालकाय पुतलों में आग लगाई गई. रावण का दहन होते ही पूरा इलाका भगवान श्रीराम के गगनभेदी जयकारों से गुंज उठा. इस दौरान मेले जैसा माहौल रहा और दृश्य देखने के लिए ग्रामीणों का भारी हुजूम उमड़ पड़ा. मैदापुर के शुक हाट बाजार में पूजा-अर्चना के बाद दहन बोचहां थाना क्षेत्र की मैदापुर पंचायत स्थित प्रसिद्ध शुक हाट बाजार में दुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में रावण दहन का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम की शुरूआत में पूजा समिति के अध्यक्ष संजय कुमार चौधरी ने विधिवत मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धापूर्वक पूजा संपन्न की. इसके पश्चात प्रतीकात्मक रूप से तीरों की वर्षा कर रावण के पुतले को धू-धू कर जला दिया गया. इस दौरान हजारों दर्शकों ने जयकारे लगाकर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया. बरहेंता और बलुआहां में भी उमड़ा जनसैलाब मैदापुर के अलावा प्रखंड के दो अन्य प्रमुख ग्रामीण इलाकों में भी परंपरागत तरीके से पुतला दहन किया गया: बरहेंता गांव (भुताने पंचायत): यहां बड़ी संख्या में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने पहुंचकर रावण दहन का आकर्षक नजारा देखा. बलुआहां (नरकटिया पंचायत): यहां भी ग्रामीणों ने पूरे उत्साह और उल्लास के साथ उत्सव में भागीदारी निभाई.

